

व्हाट्सएप, एसएमएस या मौखिक सूचना पर अवकाश मान्य नहीं : कलेक्टर



शहडोल (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने आदेश जारी कर कहा है कि प्राय: यह देखा गया है कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति प्राप्त किए अवकाश पर प्रस्थान किया जा रहा है, तथा अवकाश हेतु आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप के स्थान पर सीधे व्हाट्सएप के माध्यम से भेजे जा रहे हैं, जो कि शासकीय कार्यों की पदीय गरिमा एवं अनुशासन के विपरीत है। उन्होंने समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि कोई भी अधिकारी/कर्मचारी बिना सक्षम अधिकारी से पूर्व स्वीकृति प्राप्त किए कार्यालय से अनुपस्थित नहीं रहेंगे (आकस्मिक अवकाश/अन्य अवकाश की स्वीकृति पहले लें),अवकाश का आवेदन सदैव निर्धारित प्रारूप में विधिवत प्रस्तुत किया जाए; व्हाट्सएप, एसएमएस या मौखिक सूचना पर अवकाश मान्य नहीं होगा, यदि भविष्य में कोई भी अधिकारी/कर्मचारी बिना पूर्व स्वीकृति के अवकाश पर पाया जाता है, तो उस अवधि को नो वर्क नो पे (न काम, न वेतन) के सिद्धांत के तहत उस दिवस का वेतन काटा जाएगा और संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन में 80 प्रतिशत से कम निराकरण करने वाले अधिकारियों की वेतन रोकी जाएगी - कलेक्टर



शहडोल (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने समय-सीमा की बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणो की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग प्रमुख 80 प्रतिशत से अधिक आवेदनो का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें अन्यथा संबंधित अधिकारियों के वेतन रोके जाएंगे। उन्होंने कहा कि जो शिकायतें संतुष्टिपूर्वक नही की गई है उन्हें रिओपन कर संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। कलेक्टर ने एक हजार दिवस से अधिक शिकायतों की भी समीक्षा की। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, वनमंडलाधिकारी उत्तर वन मंडल तरुणा वर्मा, अपर कलेक्टर सरोहन सिंह,एसडीएम काजोल सिंह, अमृता गर्ग, दीपक मंडावी, अर्चना मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरें, एंटोनियो एक्का सहित विभिन्न विभागो के विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

विंध्य प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री स्व. पंडित शंभूनाथ शुक्ल की 48वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

शहडोल (स्वतंत्र मत)। भारतीय संविधान सभा के सम्मानित सदस्य, विंध्य प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री एवं आधुनिक जिले के शिल्पकार स्व. पंडित शंभूनाथ शुक्ल जी की 48वीं पुण्यतिथि के पावन अवसर पर 21 अक्टूबर को प्रातः 10.00 बजे जिला कलेक्ट्रेट परिसर में एक गरिमामय श्रद्धांजलि

सभा का आयोजन किया गया है। आयोजन के दौरान जिला कलेक्ट्रेट परिसर शहडोल में स्थापित स्व. पंडित शंभूनाथ शुक्ल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस अवसर पर जिला नागरिक समिति, शहडोल ने जिले के समस्त आदरणीय गणमान्य नागरिकों, प्रबुद्धजनों, समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों से कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित पंडित जी की प्रतिमा स्थल पर प्रातः 10.00 बजे सादर उपस्थित होकर पुष्पमाला अर्पित करने तथा श्रद्धांजलि देने का विनम्र सहनिवेदन किया है।

ट्रेन हादसे में महिला की मौत पहवान तलाशने में जुटी पुलिस

उमरिया (स्वतंत्र मत)। ट्रेन हादसे में एक महिला के मौत हो जाने का समाचार प्रकाश में आया है। बताया जाता है कि ये हादसा करकेली-उमरिया के बीच चपहा के करीब हुआ है। घटना किन कारणों से हुई है,फिलहाल साफ नहीं है,और महिला की पहचान भी नहीं हो सकी है।संभावना जताई जा रही है कि महिला किसी यात्री ट्रेन से हादसे का शिकार हुई है। हादसे की जानकारी पर रेलवे पुलिस मौके पर पहुंच रही है।

राष्ट्रीय शालेय हैडबॉल क्रीड़ा प्रतियोगिता 27 अक्टूबर से

उमरिया (स्वतंत्र मत) । स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत 70 वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता हैंडबॉल 14 वर्ष बालक प्रतियोगिता का आयोजन उमरिया में 27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक किया जाना है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए समितियों का गठन किया है एवं उत्तरदायित्व सौंपा है। समिति में कार्यकारी अध्यक्ष पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी होंगे। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा है सौंपे गये दायित्वों का पूर्ण निष्ठा एवं सतर्कता से निर्वहन करें।

धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकला माता बिरासनी का ऐतिहासिक जवारा जुलूस

उमरिया (स्वतंत्र मत)

सोमवार 19 अक्टूबर को जिले के बिरसिंहपुर पाली स्थित प्रसिद्ध जगत जननी माता बिरासनी शक्तिपीठ में ऐतिहासिक जवारा जुलूस धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकाला गया। इस दौरान पूरा नगर माता के जयकारों से गुंज उठा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। जुलूस में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर माता के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। सर्व प्रथम प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने मां विरासिनी एवं मा काली की विधि विधान से पूजा अर्चना की तत्पश्चात जवारा कलश मंदिर प्रांगण से प्रारंभ हुआ। इस दौरान विधायक मानपुर सुश्री मीना सिंह की विशेष उपस्थिति रही। यह जवारा कलश विभिन्न मार्गों से होते हुए स्थानीय सगरा तालाब पहुंचा, जहां विधि विधान के साथ जवारा कलशों का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद पाली की अध्यक्ष शंकुलता प्रधान, एसडीएम



पाली मीनाक्षी इंगले, तहसीलदार नीलेश सिंह, नायब तहसीलदार लक्ष्मीकांत शर्मा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं श्रध्दालुगण उपस्थित रहे। प्रदेश सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे भक्तों ने माता बिरासनी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ निकले जवारा जुलूस ने नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ माता के जवारों के दर्शन किए। जवारा जुलूस और विसर्जन के दौरान शासन-प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। इस दौरान लगभग

5600 जवारा कलशों का नगर भ्रमण कराने के बाद विधि-विधान से विसर्जन किया गया। माता बिरासनी का यह ऐतिहासिक जवारा जुलूस आस्था, परंपरा और भक्ति का अनूठा संगम रहा। बड़ी संख्या में जवारों का एक साथ नगर भ्रमण और विसर्जन इस आयोजन को विशेष बनाता है। धार्मिक उत्साह और श्रद्धा से सराबोर इस आयोजन ने पूरे नगर को भक्तिमय वातावरण में रंग दिया। पंडालों में हुआ कन्या भोज के कार्यक्रम शारदेय नवरात्र की नवमी पर जिला मुख्यालय के विभिन्न दुर्गा पंडालों में हवन एवं भंडारों के कार्यक्रम आयोजित किए गए , जिसमें सभी श्रध्दालुओं ने बद्द चद्द कर हिस्सा लिया। इसी तरह रात्रि काल में नगर के अस्पताल के पीछे के विराजो मां काली , खलेसर, कैप, झिरिया मोहल्ला, स्टेशन रोड, सिंगलटोला सहित अन्य जगहो पर विभिन्न मुद्दाओं में विराजो मां जगत जननी के दर्शन नगरवासियों ने किए तथा परिवार के सुख समृध्दि की कामना की।

करकेली में रक्तदान शिविर आयोजित, 16 यूनिट रक्त एकत्रित



उमरिया (स्वतंत्र मत)

सिद्ध बाबा नव दुर्गा समिति करकेली के तत्वावधान में सोमवार 19 अक्टूबर 2026 को खैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं सहित अन्य रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए मानव सेवा की मिसाल पेश की। शिविर के दौरान कुल 16 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के उपचार में उपयोगी साबित होगा। शिविर में संस्कार खंडेलवाल, ओमकार सिंह, हर्षित खंडेलवाल, सिद्धार्थ गुप्ता, अभय

अग्रवाल, प्रह्लाद गुप्ता, सुमित नापित, अजय खटिक, राकेश रजक, रमेश रजक, दीपक मेहरबिया, मुन्ना खंडेलवाल, अरुण खटिक, मोनू कुशवाहा, धनंजय सिंह एवं महेंद्र महोबिया सहित अन्य रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं ने जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए आगे आकर सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना का परिचय दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य ओमकार सिंह बबलू ने स्वयं रक्तदान करते हुए आम नागरिकों से भी रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, आपका एक प्रयास किसी की ज़िंदगी बचा सकता है। रक्त की वास्तविक कीमत वही समझ सकता है, जिसे इसकी आवश्यकता होती है। इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को सै्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक होना चाहिए। समिति की ओर से सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को जीवन बचाने में मदद मिलती है। इस तरह के आयोजन समाज में सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करते हैं। समिति ने आमजन से अपील की कि वे रक्तदान के महत्व को समझें और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएँ।

सिंध मेडिकल सहित तीन मेडिकल स्टोर तीन दिन के लिए सील, नोटिस की अनदेखी बनी वजह

उमरिया (स्वतंत्र मत)

जिले के चर्चित सिंध मेडिकल स्टोर सहित नगर के तीन मेडिकल प्रतिष्ठानों पर औषधि विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें तीन दिन के लिए सील कर दिया है। सोमवार, 19 अक्टूबर को ड्रा इंस्पेक्टर श्रीमती संस्कृति द्विवेदी एवं उनकी टीम द्वारा की गई इस कार्रवाई से नगर के दवा कारोबारियों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई की जद में गांधी चौक स्थित सिंध मेडिकल, पुराना बस स्टैंड स्थित श्रीराम मेडिकल तथा कृष्णा मेडिकोज शामिल हैं। बताया जा रहा है कि फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति में दवाइयों के क्रय-विक्रय सहित नियमों के पालन से जुड़े मामलों को लेकर यह कार्रवाई की गई है।

बार-बार नोटिस के बाद हुई कार्रवाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार, संबंधित मेडिकल स्टोर संचालकों को औषधि विभाग द्वारा पहले भी कई बार नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। आरोप है कि नोटिसों का निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया अथवा उन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। इसके बाद विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए तीनों प्रतिष्ठानों को तीन दिनों के लिए सील कर दिया। हालांकि, नोटिस में दर्ज आपत्तियों, संचालकों के जवाब और निरीक्षण में पाई गई कमियों का विस्तृत आधिकारिक ब्यौरा सामने



आने के बाद ही कार्रवाई के सभी पहलुओं की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी।

चर्चा में रहने वाला सिंध मेडिकल भी कार्रवाई की जद में

गांधी चौक स्थित सिंध मेडिकल स्टोर नगर के प्रमुख और लोकप्रिय मेडिकल प्रतिष्ठानों में गिना जाता है। बताया जाता है कि यह दुकान सुबह करीब सात बजे से देर रात तक खुली रहती है, जहां बड़ी संख्या में लोग दवाइयां खरीदने पहुंचते हैं। ऐसे में दुकान के तीन दिन बंद रहने से नियमित ग्राहकों और आसपास के क्षेत्र के मरीजों को असुविधा हो सकती है। सिंध मेडिकल पर पूर्व में भी कार्रवाई होने की

बात कही जा रही है। वहीं, ड्रा इंस्पेक्टर द्विवेदी की उमरिया में नियमित पदस्थापना के बाद इसे प्रमुख कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

फार्मासिस्ट की मौजूदगी को लेकर उठे सवाल

मेडिकल स्टोर संचालन में फार्मासिस्ट की निर्धारित उपस्थिति और उनकी निगरानी महत्वपूर्ण होती है। सिंध मेडिकल स्टोर में फार्मासिस्ट के नियमित रूप से मौजूद नहीं रहने के आरोप सामने आए हैं। यह भी बताया जा रहा है कि संबंधित फार्मासिस्ट की पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में एक अन्य मेडिकल दुकान है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि सिंध मेडिकल में उनकी अनुपस्थिति के दौरान दवाइयों की

जिले में 29 अक्टूबर को होगा जिला स्तरीय युवा उत्सव, लोक नृत्य से चित्रकला तक होगी प्रतियोगिताएं

15 से 29 वर्ष तक के युवा ले सकेंगे हिस्सा, पंजीयन के लिए गूगल फॉर्म और कार्यालय से आवेदन की सुविधा

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले के युवाओं को अपनी प्रतिभा और रचनात्मक कौशल प्रदर्शित करने का अवसर देने के उद्देश्य से 29 अक्टूबर 2026 को जिला स्तरीय युवा उत्सव 2027 का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम एकलव्य आवासीय विद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। इसमें सामूहिक लोक नृत्य, सामूहिक लोकगीत, नुक्रड नाटक, कविता लेखन और चित्रकला सहित विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताएं होंगी। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर अंजू पवन

भदौरिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस युवा उत्सव में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकेंगे। आयोजन का उद्देश्य जिले के प्रतिभाशाली युवाओं को मंच प्रदान करना और उनकी कला, संस्कृति एवं रचनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करना है। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी मोहम्मद अहमद खान ने बताया कि जिला स्तरीय युवा उत्सव के सफल आयोजन को लेकर कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में प्रतिभागियों के पंजीयन के लिए गूगल फॉर्म तैयार करने के निर्देश दिए गए

थे। इसके बाद विभाग द्वारा जिले के सभी शैक्षणिक संस्थाओं में गूगल फॉर्म का लिंक साझा कर दिया गया है। इच्छुक प्रतिभागी कार्यालय जिला खेल एवं युवा कल्याण, डिंडौरी से पंजीयन फॉर्म प्राप्त कर भी आवेदन कर सकते हैं। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ने सभी शैक्षणिक संस्थाओं के मुख्यों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि जिले के युवाओं को अपनी प्रतिभा और कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिल सके।

मां काली मंदिर सिंहपुर में श्रद्धा और भक्ति के साथ जवारा विसर्जन संपन्न



शहडोल (स्वतंत्र मत)

जिले के सिंहपुर स्थित प्रसिद्ध मां काली मंदिर में जवारा विसर्जन का आयोजन पारंपरिक रीति-रिवाजों और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर से लेकर विसर्जन स्थल तक भक्तिमय माहौल बना रहा। मां काली के जयकारों के बीच सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भागीदारी कर अपनी आस्था प्रकट की। जवारा विसर्जन के अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां काली की पूजा-अर्चना कर परिवार की

सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। धार्मिक परंपराओं के अनुरूप संपन्न हुए इस आयोजन में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। पूरे कार्यक्रम में भक्ति और आस्था का अनूठा संगम नजर आया। आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराने में मां काली लोक न्यास की महत्वपूर्ण भूमिका रही। न्यास की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए। धार्मिक उल्लास और मां काली के प्रति अटूट विश्वास के साथ जवारा विसर्जन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों में समय-सीमा में निराकरण नहीं करने वाले तीन नायब तहसीलदारों एवं तीन पंचायत सचिवों पर लगेगा अर्थदण्ड



शहडोल (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने समय-सीमा की बैठक में लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत अधिसूचित सेवाओ का समय-सीमा में निराकरण नही करने पर नायब तहसीलदार आमडीह, चुहिरा तथा जयसिंहनगर पर 500-500 रुपये का अर्थदंड लगाने के निर्देश दिए है। इसी तरह ग्राम पंचायत स्तर पर तीन पंचायत सचिवो द्वारा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत अधिसूचित सेवाओ का समय-सीमा में निराकरण नही करने पर 500-500 रुपये का अर्थदंड लगाने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन अधिकारियों द्वारा बार-बार लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत सेवाएं समय-सीमा में प्रदान नही की जाती है आगामी बैठक से उनके विरुद्ध दुगुना अर्थदंड अधिरोपित किया जाएगा। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, वनमंडलाधिकारी उत्तर वन मंडल तरुणा वर्मा, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह,एसडीएम काजोल सिंह, अमृता गर्ग, दीपक मंडावी, अर्चना मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरें, एंटोनियो एक्का सहित विभिन्न विभागो के विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

पीएम स्वनिधि योजना से प्रशांत जाटव के मोबाइल व्यवसाय को मिली नई रफ्तार

आज ग्राहकों को मिल रही आधुनिक मोबाइल एक्सेसरीज एवं रिपेयरिंग की बेहतर सुविधा

नरसिंहपुर,स्वतंत्रमत। मेहनत, लगन और सही समय पर मिले आर्थिक सहयोग से छोटे व्यवसाय को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। करेली निवासी श्री प्रशांत जाटव की कहानी इसी आत्मनिर्भरता और उद्यमशीलता की प्रेरणादायी मिसाल है। सीमित पूंजी के साथ मोबाइल एक्सेसरीज एवं मोबाइल रिपेयरिंग का कार्य शुरू करने वाले प्रशांत जाटव ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से मिली ऋा सहायता का सदुपयोग कर अपने व्यवसाय का क्रमशः विस्तार किया।

सीमित संसाधनों से शुरू हुआ व्यवसाय-श्री प्रशांत जाटव एक मेहनती एवं युवा उद्यमी हैं। वे मोबाइल एक्सेसरीज एवं मोबाइल रिपेयरिंग का व्यवसाय संचालित करते हैं। शुरुआत में उनके पास मोबाइल एक्सेसरीज का सीमित

स्टॉक था और रिपेयरिंग के लिए आवश्यक उपकरण भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं थे। व्यवसाय को आगे बढ़ाने और ग्राहकों को बेहतर सुविधा देने के लिए उन्हें अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता महसूस हुई। इसी दौरान नगर पालिका परिषद करेली द्वारा किए गए सर्वे एवं जागरूकता अभियान के माध्यम से उन्हें पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी मिली। योजना के बारे में जानकारी मिलने के बाद उन्होंने इसका लाभ लेने का निर्णय लिया।

10 हजार रुपये के प्रथम ऋण से बढ़ाया मोबाइल एक्सेसरीज का स्टॉक-पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत श्री प्रशांत जाटव को 10 हजार रुपये का प्रथम ऋण प्राप्त हुआ। उन्होंने इस राशि का उपयोग मोबाइल कवर, चार्जर, ईयरफोन, टेम्पर्ड ग्लास सहित अन्य आवश्यक मोबाइल एक्सेसरीज का स्टॉक बढ़ाने तथा रिपेयरिंग के लिए जरूरी उपकरण खरीदने में किया। दुकान पर सामान की उपलब्धता बढ़ने से ग्राहकों को उनकी आवश्यकता के अधिक विकल्प एक ही स्थान पर मिलने लगे। इससे उनके व्यवसाय को

आगे बढ़ने में मदद मिली।

20 हजार रुपये के द्वितीय ऋण से बढ़ी उत्पादों की विविधता व्यवसाय में आगे बढ़ने के बाद उन्हें योजना के अंतर्गत 20 हजार रुपये का द्वितीय ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने दुकान में नए और आधुनिक मोबाइल एक्सेसरीज उपलब्ध कराए तथा स्टॉक में वृद्धि की। उत्पादों की विविधता बढ़ने से ग्राहकों को अधिक विकल्प मिलने लगे और उनके व्यवसाय में भी वृद्धि हुई। प्रशांत जाटव ने ऋण राशि को व्यवसाय की आवश्यकताओं के अनुसार उपयोग कर अपने कारोबार को मजबूत आधार दिया।

50 हजार रुपये के तृतीय ऋण से रिपेयरिंग व्यवसाय को मिला विस्तार-इसके बाद श्री प्रशांत जाटव को 50 हजार रुपये का तृतीय ऋण प्राप्त हुआ। उन्होंने इस राशि से मोबाइल रिपेयरिंग के लिए आवश्यक उन्नत उपकरण खरीदे और दुकान में उपलब्ध सुविधाओं का विस्तार किया। आधुनिक उपकरण उपलब्ध होने से वे मोबाइल रिपेयरिंग का कार्य अधिक प्रभावी ढंग से करने लगे।

इससे ग्राहकों को बेहतर सेवा मिलने लगी और उनके व्यवसाय को नई गति मिली। बढ़ते कारोबार के साथ उनकी आय अर्जित करने की क्षमता में भी सकारात्मक बदलाव आया।

श्री प्रशांत जाटव ने पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत प्राप्त तीनों चरणों के ऋण का उपयोग अपने व्यवसाय को मजबूत करने में किया। 10 हजार रुपये, 20 हजार रुपये और 50 हजार रुपये की ऋण सहायता के माध्यम से उन्होंने अपने कारोबार में लगातार निवेश किया। आज उनकी दुकान पर मोबाइल एक्सेसरीज की अच्छी विविधता उपलब्ध है और मोबाइल रिपेयरिंग के लिए आवश्यक उपकरण भी मौजूद हैं। उनका प्रयास है कि ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता की सामग्री और सुविधाजनक रिपेयरिंग सेवा एक ही स्थान पर उपलब्ध हो।

छोटे व्यवसाय से आत्मनिर्भरता की ओर-प्रशांत जाटव की सफलता की कहानी इस बात का उदाहरण है कि सीमित संसाधनों से शुरू किया गया व्यवसाय भी उचित आर्थिक

सहायता, मेहनत और लगन से आगे बढ़ाया जा सकता है। पीएम स्वनिधि योजना से मिली ऋण सहायता ने उन्हें अपने व्यवसाय में निवेश करने, आधुनिक उपकरण जुटाने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने का अवसर प्रदान किया। उनकी यह यात्रा अन्य छोटे व्यवसायियों के लिए भी प्रेरणादायी है कि अवसर का सही उपयोग और निरंतर मेहनत आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार-पीएम स्वनिधि योजना से मिली आर्थिक सहायता और अपने व्यवसाय को विस्तार देने का अवसर मिलने पर श्री प्रशांत जाटव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। उनका कहना है कि योजना के माध्यम से मिली ऋण सहायता से उन्हें अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने, आधुनिक उपकरण खरीदने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सहयोग मिला है।

नर्मदा तट पर 2100 फलदार पौधों का सामूहिक पौधरोपण, हरित और समृद्ध क्षेत्र बनाने की पहल

मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सेवा संकल्प अभियान एवं नर्मदा समृद्धि परियोजना के तहत किया पौधरोपण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शनिवार को जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत खोभी के ग्राम झोंझा में नर्मदा नदी के तट पर अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि पर सेवा संकल्प अभियान एवं नर्मदा समृद्धि परियोजना के अंतर्गत 2100 फलदार पौधों का सामूहिक पौधरोपण किया। इस दौरान आम, नींबू, अमरूद, मोरिंगा और आंवला सहित विभिन्न प्रजातियों के फलदार पौधे रोपे गए। इस पहल का उद्देश्य नर्मदा तटीय क्षेत्र को हरित एवं समृद्ध बनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि फलदार पौधों का रोपण नर्मदा तटीय क्षेत्रों को हरित और समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका



निभाएगा। इससे मृदा अपरदन रोकने में मदद मिलेगी तथा फलदार पौधों के माध्यम से ग्रामीणों की आजीविका को सशक्त बनाने के नए अवसर भी विकसित होंगे। कार्यक्रम में गोटेगांव विधायक श्री महेंद्र नागेश, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, पूर्व विधायक श्री हाकम सिंह चढ़ार, श्री रामसेनही पाठक, श्री हरप्रसाद, श्री प्रदीप नायर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, विभिन्न जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

नवरात्रि में हुए देवी जागरण एवं भजन संध्या कार्यक्रम



अमर ज्योति संस्था के तत्वावधान में हुए आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। अमर ज्योति संस्थाङ्कनव दुर्गा उत्सव समिति, कामथ वार्ड (पानी की टंकी), गाडरवारा के तत्वावधान में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर 15 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक प्रतिदिन रात्रि 8

बजे से देवी जागरण एवं भजन संध्या कार्यक्रम आयोजित हुए । कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने माता रानी के भजनों व गीतों का आनंद लेकर भक्ति और आध्यात्मिकता के वातावरण में सहभागी बने। कार्यक्रम के संयोजक राजेश गुप्ता ने बताया कि आयोजन के प्रथम दिवस 15 अक्टूबर गुरुवार को भजन संध्या एवं कराओके कार्यक्रम में गाडरवारा के तराना म्यूजिकल ग्रुप

ने अपनी प्रस्तुति दी । 16 अक्टूबर शुक्रवार को श्री दादा जी आदर्श म्यूजिकल ग्रुप संदुक द्वारा पवन राजोरिया के नेतृत्व में भजनों की प्रस्तुति दी गई। 17 अक्टूबर शनिवार को नर्मदा मंडल नीमखेड़ा (राजमार्ग) ने भजन संध्या में अपनी प्रस्तुति दी । वहीं 18 अक्टूबर रविवार को जबलपुर की शिवानी शर्मा एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत की गई। इस दौरान समिति अध्यक्ष मनोज पटेल, अनिल साहू द्वारा राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित संदीपनि स्कूल साईंखेड़ा के शिक्षक मनीष शंकर तिवारी, बोहानी से आये राष्ट्रीय मानव अधिकार न्याय आयोग के सदस्य, सेवानिवृत्त जनपद सीईओ शैलेन्द्र शर्मा एवं पंडाल मे देवी जी की साज सज्जा व श्रंगार हेतु सुखराम मेहरा को सम्मानित किया गया। उक्त आयोजनों में प्रमुख प्रायोजक दिनेश मालपानी, अर्पित राजपूत, दीपेश जैन, प्रदीप कौख सहित समस्त समिति सदस्यों ने उल्लेखनीय योगदान रहा ।

शाम 5 बजे से होगा

राम.रावण युद्ध शाम 7 बजे राम करेंगे रावण का वध

सतना ब्यूरो। शहर के वेंकट वन स्कूल के पीछे स्थित विशाल मैदान में इस बार दशहरा पर्व पर रावण वध का ऐतिहासिक और भव्य कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 20 अक्टूबर को होने वाले इस कार्यक्रम की सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस दिन शाम 5 बजे से राम और रावण के बीच युद्ध का सजीव मंचन शुरू होगा और शाम 7 बजे तक भगवान राम द्वारा रावण का वध करके कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम पूरी तरह परंपरिक और धार्मिक परंपराओं के अनुसार प्रस्तुत किया जाएगा। पिछले एक महीने से

स्थानीय कलाकार दिन.रात अभ्यास कर रहे हैं। रामलीला मंचन में लगभग 50 कलाकार हिस्सा लेंगे जिनमें भगवान राम लक्ष्मण सीता हनुमान और रावण के मुख्य पात्र शामिल हैं। 50 फीट ऊंचा रावण का पुतला 40 फीट के मेघनाद और कुंभकरण के पुतले विशेष रूप से तैयार किए गए हैं जिनमें आतिशबाजी की व्यवस्था भी की गई है।

कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार शाम 5 बजे रामलीला मैदान में राम.रावण संवाद से युद्ध का आरंभ होगा। पहले रावण अपनी सेना के साथ युद्ध के लिए आएगा उसके बाद राम.रावण के बीच गदा युद्ध तीरंदाजी और शक्ति प्रदर्शन का मंचन होगा। दर्शकों को ऐसा लगेगा जैसे वे त्रेतायुग के युद्ध को साक्षात देख रहे हों। ठीक शाम 7 बजे भगवान राम अपने दिव्य अस्त्र से रावण का वध करेंगे और उसके पुतले का दहन किया जाएगा। दहन



के साथ ही पूरे मैदान में आतिशबाजी और जय श्रीराम के नारों से गूंज उठेगा। इसके बाद भगवान राम की शोभायात्रा निकालकर वे वहां से रवाना हो जाएंगे।सुरक्षा के कड़े इंतजाम इस भव्य आयोजन को देखते

के चारों ओर बैरिकेडिंग की जाएगी प्रवेश द्वार पर जांच की व्यवस्था होगी। अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां और मेडिकल टीम मौके पर मौजूद रहेंगी ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। पार्किंग पेयजल और शौचालय की भी विशेष व्यवस्था की गई है।

मेले का आयोजन भी रावण वध स्थल पर एक विशाल मेले का भी आयोजन किया गया है। मेले में बच्चों के लिए झूले चकरी खिलौने स्थानीय हस्तशिल्प चाट.पकौड़ी जलेबी और अन्य खानपान के 40 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। स्थानीय दुकानदारों में भी इस मेले को लेकर काफी उत्साह है।

जिले भर से जुटेंगे लोग आयोजन समिति को उम्मीद है कि इस कार्यक्रम को देखने के लिए सतना शहर के अलावा नागौद रामपुर बघेलान उचेहरा और आसपास के गांवों से भी हजारों लोग पहुंचेंगे।



सतना ब्यूरो। नवरात्र के पावन पर्व पर सतना शहर में हिंदू,मुस्लिम एकता और आपसी सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली। शहर के मोहल्ल खूँधी में नवरात्र की सप्तमी के अवसर पर एडवोकेट इमरान खान सोरा द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस आयोजन में हजारों लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और आयोजक को आशीर्वाद दिया। नवरात्र के पावन अवसर पर आयोजित इस भंडारे ने सामाजिक समरसता आपसी भाईचारे और एकता का संदेश दिया। आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता देखने को मिली। धार्मिक आस्था के इस पर्व पर समाज के लोगों ने मिल.जुलकर सहयोग किया और आपसी प्रेम एवं सद्भाव की भावना को मजबूत किया। इस नैक कार्य में जमुना रैकवार इरशान खान दादू शर्मा अब्दुल कादिर जिलानी संजय कुशवाहा छोटू अंसारी अभय शर्मा एवं आनु सिद्दीकी ने सक्रिय रूप से सहभागिता निभाते हुए सहयोग प्रदान किया। यह आयोजन इस बात का प्रतीक बना कि त्योहार और धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने का माध्यम हैं। सतना में आयोजित इस भंडारे के माध्यम से हिंदू,मुस्लिम एकता भाईचारे और मानव सेवा का सकारात्मक संदेश सामने आया।

स्वास्थ्य विभाग में बिना पैसे काम नहीं होने का आरोप सीसीटीवी जांच से खुलासे की मांग

सतना ब्यूरो। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ कार्यालय में कथित भ्रष्टाचार को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। सतना के किसान नेता ईश्वरचंद्र त्रिपाठी द्वारा कलेक्टर रीवा को की गई शिकायत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय तक पहुंचने के बाद कार्यालयीन कामकाज की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई गई है। किसान नेता ईश्वरचंद्र त्रिपाठी ने आरोप लगाया है कि सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ बाबू मनोज तिवारी बिना पैसे लिए कोई काम नहीं करते। बताया जा रहा है कि मनोज तिवारी नर्सिंग स्थापना एवं पैथोलॉजी शाखा से संबंधित कार्य देखते हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।शिकायतकर्ता ने मांग की है कि सीएमएचओ कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को जांच कराई जाए। जांच के दौरान यह पता लगाया जाए कि कार्यालय में आने वाले कर्मचारी किस काम से पहुंचेए किन अधिकारियों या कर्मचारियों से मिले और उनके कार्यों का निराकरण हुआ या नहीं।

नपानि अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी की उपस्थिति में संपन्न हुआ शपथ ग्रहण समारोह

सतना ब्यूरो। श्री कसौधन वैश्य समाज की सत्र 2026,2029 की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 15 अक्टूबरको मधुवन गार्डन में गरिमापय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सतना नगर पालिक निगम के अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि कश्यप ऋषि एवं मां जगदंबा की प्रतिमा पर पूजा.अर्चना कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का माल्यार्पण एवं बैज लगाकर स्वागत किया गया। समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने शपथ ग्रहण कर समाज की एकता संगठन की मजबूती तथा सामाजिक विकास के



लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया। समारोह में समाज के जिला पदाधिकारी पूर्व पदाधिकारी नवयुवक मंडल महिला मंडल तथा सतना शहर की सभी सात इकाइयों के वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारी सहित सैकड़ों सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में उत्साह और सामाजिक

एकजुटता का वातावरण देखने को मिला।

न व न ि व ा ि च त पदाधिकारियों ने संभाली जिम्मेदारी-सत्र 2026,2029 के लिए राधिका प्रसाद गुप्ता को अध्यक्ष दौलत प्रसाद गुप्ता को वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप गुप्ता को कनिष्ठ उपाध्यक्ष गणेश प्रसाद

गुप्ता ,गणेश मैरिज हॉलद्ध को महामंत्री अशोक गुप्ता ;गंगा धाम को वरिष्ठ मंत्री अभिषेक गुप्ता को कनिष्ठ मंत्री राजेश गुप्ता को कोषाध्यक्ष तथा दिलीप गुप्ता ;कपिल को संगठन मंत्री को जिम्मेदारी सौंपी गई है। हरिओम गुप्ता ;कृष्णा कॉलोनी को निरीक्षक बनाया गया है।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा की मांग को लेकर कांग्रेस ने रैली निकाल कर जताया विरोध

.सतना ब्यूरो। . कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रव्यापी वोट बचाओ देश बचाओ जन आंदोलन अभियान के तहत ब्लाक कांग्रेस कमेट्री मझगवां उप ब्लॉक बरौथा द्वारा संयुक्त रूप से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा की मांग को लेकर चित्रकूट के पूर्व विधायक पूर्व राष्ट्रीय सचिव नोलाशु चतुर्वेदी जिला कांग्रेस कमेट्री के अध्यक्ष एवं विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा सतना जिला कांग्रेस के प्रभारी वीरेंद्र द्विवेदी जिला संगठन मंत्री नागेश मिश्रा मझगवां ब्लॉक के कार्यक्रम प्रभारी पूर्व विधायक कल्पना वर्मा चित्रकूट विधानसभा के संगठन प्रभारी राकेश गर्ग एवं बरौथा ब्लॉक के कार्यक्रम प्रभारी

गजेंद्र सिंह आदि की मौजूदगी में मझगवां में विशाल मोटर साइकिल रैली निकाली गई । इस दौरान वक्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता लोकतांत्रिक मूल्यों सिविधान की गरिमा तथा मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा की मांग उठाई तत्पश्चात रैली श्याम वर्ण होटल से सैकड़ो मोटर साइकिलों में सवार कार्यकर्ता वोट चोर गद्दी छोड़ के नारों के साथ नगर के पवरिया बाबा बाईपास बाजार रोड बस स्टैंड पी.डब्ल्यू.डी.ऑफिस हाट बाजार नई सब्जी मंडी तालाब तीर कोलान मोहल्ला वीआईपी स्कूल से होते हुए रैली तहसील कार्यालय के पास समापन स्थल में पहुंच कर वरिष्ठ



पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संविधान के अनुच्छेद 326 का सामूहिक पाठ किया गया । राष्ट्रगीत का गायन किया गया तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला जलाकर विरोध जताया

गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उमेश कुमार गर्ग शंकर यादव ओंकार सिंह राजेन्द्र प्रसाद गर्ग रामनरेश तिवारी राजेश त्रिपाठी लक्ष्मी मवासी राम जी निगम लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी बी एल

यादव निराला सिद्धार्थ सिंह मुकुंद उपाध्याय विक्री पांडे रितेश त्रिपाठी हेमलता सिंह अंक देव सिंह ऋषि पोरवाल अजेन्द्र पाण्डेय राम प्रसाद कुशवाहा शैलेंद्र सिंह महेंद्र सिंह धर्मेन्द्र डोहर राजू सौदागर राजा भैया पांडे उदय सिंह प्रकाश जायसवाल लकी साहू अवध नरेश शर्मा प्रदीप सिंह राज नारायण सिंह नंदराम यादव विजय पाण्डेय नवनीत गुप्ता सचिन गर्ग कोटू सिंह जितेंद्र शर्मा अभिलाष सिंह मुकेश गर्ग अरुणेश सिंह राजललन त्रिपाठी सप्तर भान सिंह शारदा सिंह पुनीत सिंह वीरेंद्र सिंह राम विश्वास कुशवाहा विजय सिंह त्रिवेणी सिंह नरेंद्र व्यास मूलचंद कुशवाहा शिवराम त्रिपाठी डेविड लॉरेंस योगेंद्र तिवारी आनंद

कुमार गर्ग लाल बहादुर गर्ग सुरेश गर्ग बाबूलाल मवासी उमेश शर्मा बिहारी लाल वर्मा रमेश कुशवाहा रामलाल यादव सत्यनारायण बुजेश पाण्डेय उमेश जायसवाल सुखलाल दाहिया रामानंद कुशवाहा भैया लाल पयासी दीपक द्विवेदी राम भरोसा यादव छोटू वर्मा बेटा लाल मवासी रामलाल यादव के के शुक्ला शिवनारायण यादव विदित राज नामदेव चंद्र भूपण शुक्ला रामबहोर सिंह भइयन गर्ग शंकर सिंह मोनु सिंह जितेंद्र पयासी सिंह सिंह बसंत लाल उरमालिया महेंद्र यादव मुन्नु सिंह बूजेश कुशवाहा जितेंद्र यादव कमला द्विवेदी राम रहीम शिवहरे रतन गर्ग गौरव मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

1 जनवरी 2027 की स्थिति में जुड़ेंगे नाम

मण्डला(स्वतंत्र मत)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में अहंता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर फोटो निर्वाचक नामावली के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम घोषित किया गया है। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय मध्यप्रदेश द्वारा सभी कलेक्टरों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण एवं पुनर्गठन की कार्यवाही 2 नवंबर 2026 तक पूर्ण की जाएगी। निर्वाचक नामावली के प्रारूप का प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को होगा। दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक निर्धारित की गई है। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रामप्रताप सिंह जादौन द्वारा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में पुनरीक्षण संबंधी सभी कार्यवाहियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

राजनीतिक दलों के साथ बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र के निशानुसार छूटे हुए एवं प्रथम बार पात्र हो रहे युवा मतदाताओं के नाम जोड़ने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के संबंध में कलेक्ट्रेट के गोलमेज सभाकक्ष में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती सोनल सिद्धाम सहित सभी दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि जिले के 1051 मतदान केंद्रों के लिए भाजपा एवं कांग्रेस द्वारा 945 केंद्रों पर बसपा द्वारा 22 केंद्रों पर बीएलए नियुक्त किए गए हैं, जबकि आम आदमी पार्टी द्वारा कोई बीएलए नियुक्त नहीं किया गया है। सभी दलों से प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलए नियुक्त करने एवं सत्यपन कार्य में सहयोग की अपील की गई।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि हिट एंड रन के प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए ताकि पीड़ित परिवारों को समय पर मुआवजा एवं सहायता राशि उपलब्ध हो सके। उन्होंने लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराने हेतु पीएम राहत योजना कैशलेस उपचार योजना की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निजी अस्पतालों को योजना में इम्पैनल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जेसोबा क्रिज प्रतियोगिता कराई

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जेसोबा क्रिज कोटेस्ट के अंतर्गत अरविंद कुमार शुक्ल अध्यक्ष जेसोबा की अध्यक्षता विजय अग्रवाल योगेश श्रीवास्तव एवं अनंत उपाध्याय के विशिष्ट आतिथ्य में दो प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। प्रथम प्रतियोगिता पी एम श्री शास हाई स्कूल रामनगर में कल्पना नागेश्वर प्राचार्य के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई जिसमें शास उच्च माध्य विद्यालय मधुपुरी से भागवती सिंगरैरी, आयुष कुमार जधेला तथा शिखा पटेल, शास हाई स्कूल नकावल से भानु पंचेश्वर, देवेन्द्र पंचेश्वर तथा नयन कुमार खेववार, पी एम श्री शास हाई स्कूल रामनगर से साक्षी दुबे, सोनाली साहू तथा मोना परते एवं शास उच्च माध्य विद्यालय रामनगर से अभिषेक गायवाल, मोहन भांवरे तथा प्रगति दुबे ने सहभागिता की।

विकास के बड़े-बड़े दावे और सुनहरे सपने...धरातल में सब गायब! एक साल बीत जाने के बाद भी नहीं बन सका 5500 करोड़ का टाईगर ट्रिज्म कॉरिडोर

मण्डला (स्वतंत्रमत)

करोड़ों की घोषणाएं विकास के बड़े-बड़े दावे और सुनहरे भविष्य के सपने लेकिन जब बात धरातल पर काम शुरू होने की आती है तो तस्वीर धुंधली नजर आती है। मध्यप्रदेश के प्रमुख टाइगर रिजर्व को जोड़ने के लिए घोषित 5500 करोड़ रुपये का महत्वाकांक्षी टाइगर ट्रिज्म कॉरिडोर भी अब इसी सवाल के घेरे में है। अगस्त 2025 में सामने आई करीब 625 किलोमीटर लंबी इस योजना से मंडला जिले को विकास की नई राह मिलने की उम्मीद जगी थी लेकिन एक साल से अधिक समय बीतने के बाद भी सिवनी-नैनपुर-चिरईडोंगरी-मंडला मार्ग के फोरलेन बनने को लेकर क्षेत्र की जनता स्पष्ट जानकारी और समय-सीमा का इंतजार कर रही है। आखिर घोषणा को हकीकत में बदलने की शुरुआत कब होगी पेंच कान्हा बांधवगढ़ और पन्ना टाइगर रिजर्व को बेहतर सड़क नेटवर्क से जोड़ने की इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत



करना और रोजगार के अवसर बढ़ाना बताया गया था। इसके तहत सिवनी-नैनपुर-चिरईडोंगरी-मंडला मार्ग को नैनपुर-चिरईडोंगरी-मंडला मार्ग को वर्तमान दो लेन से चार लेन में उन्नत करने का प्रस्ताव मंडला के लिए विशेष महत्व रखता है आदिवासी बाहुल्य मंडला जिले में बेहतर सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं बल्कि व्यापार शिक्षा स्वास्थ्य सेवाओं और पर्यटन के विस्तार की बुनियादी जरूरत है। फोरलेन बनने से

पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने स्थानीय कारोबार को गति मिलने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावनाएं हैं। लेकिन इन संभावनाओं का लाभ तभी मिलेगा जब योजना घोषणा और प्रस्ताव की सीमा से आगे बढ़ेगी सबसे बड़ा सवाल परियोजना की मौजूदा स्थिति को लेकर है। फोरलेन निर्माण की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डीपीआर सर्वेक्षण भूमि अधिग्रहण और निर्माण की



समय-सीमा को लेकर क्षेत्रवासियों को स्पष्ट जानकारी की दरकार है। जनता जानना चाहती है कि परियोजना किस स्तर पर है संबंधित विभागों ने अब तक क्या कार्यवाही की है और निर्माण शुरू करने के लिए अगला कदम क्या होगा यदि परियोजना वन्यजीवों के आवास और संवेदनशील वन क्षेत्रों से होकर गुजरती है तो पर्यावरणीय स्वीकृति वन विभाग की अनुमति और वन्यजीवों की सुरक्षित आवाजाही के इंतजाम भी महत्वपूर्ण होंगे। ऐसे में इन प्रक्रियाओं की स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है ताकि विकास की राह में आने वाली बाधाओं का समय रहते

समाधान किया जा सके। मंडला के विकास से जुड़ी इतनी महत्वपूर्ण परियोजना पर अब स्थानीय स्तर पर जवाबदेही की मांग तेज होने की जरूरत महसूस की जा रही है। जनता का सवाल है कि जब यह कॉरिडोर पर्यटन और क्षेत्रीय विकास के लिए इतना महत्वपूर्ण है तो इसकी प्रगति को लेकर नियमित जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं हो रही स्थानीय जनप्रतिनिधि संबंधित विभागों से जवाब लेकर जनता को वास्तविक स्थिति से कब अवगत कराएंगे यह मुद्दा किसी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं होना चाहिए। जरूरी यह है

मादा बाघ शावक की मौत

मण्डला (स्वतंत्रमत)। कान्हा टाइगर रिजर्व के मुक़्की परिक्षेत्र स्थित वन्यजीव उपचार केंद्र में वन विकास निगम के मोहगांव प्रोजेक्ट क्षेत्र से रेस्क्यू की गई उपचाराधीन मादा बाघ शावक की 18 अक्टूबर को मृत्यु हो गई। शावक को 8 अक्टूबर को ग्राम अरौली में आबादी के बीच आ जाने और एक महिला को घायल करने की घटना के बाद रेस्क्यू किया गया था। अकैले और कमजोर शारीरिक अवस्था में मिले शावक की जीवन रक्षा के लिए वन विभाग ने वन्यजीव चिकित्सा विशेषज्ञों की निगरानी में उपचार शुरू कराया था लगातार चिकित्सकीय देखरेख के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी मृत्यु के बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार शावक का पोस्टमार्टम कराया गया। यह कार्यवाही कान्हा टाइगर रिजर्व के वन्यजीव चिकित्सा अधिकारी, उप संचालक पशुपालन मंडला तथा पशु चिकित्सक



बैहर की संयुक्त टीम ने संपन्न की पोस्टमार्टम के बाद निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत शवदाह किया गया। वहीं जांच के लिए आवश्यक शारीरिक अंगों और जैविक नमूनों को जबलपुर स्थित प्रयोगशाला भेजा गया है। फोरेंसिक एवं पैथोलॉजिकल जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही शावक की मृत्यु के वास्तविक कारणों के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

आस्था-विश्वास का केंद्र है मां काली की प्रसिद्ध मढ़िया



मण्डला/बिछिया (स्वतंत्रमत)

भुआ बिछिया नगर के वार्ड क्रमांक 10 में स्थित मां काली की प्रसिद्ध मढ़िया श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र है। शारदीय नवरात्र के दौरान यहां भक्तों की विशेष भीड़ उमड़ती है। दूर-दूर से श्रद्धालु मां काली के दर्शन करने और अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं। विशेष रूप से संतान प्राप्ति की कामना करने वाली महिलाओं के बीच इस मढ़िया के प्रति गहरी आस्था है। स्थानीय मान्यता के अनुसार संतान प्राप्ति की कामना लेकर आने वाली महिलाएं मां काली के दरबार में श्रद्धापूर्वक प्रार्थना करती हैं। इसी विश्वास के चलते प्रत्येक बुधवार और रविवार को बड़ी संख्या में महिलाएं मढ़िया पहुंचकर माथा टेकती हैं। श्रद्धालुओं की

आस्था का मुंडन संस्कार भी कराया जाता है। यह परंपरा श्रद्धालु परिवारों के लिए धार्मिक और भावनात्मक महत्व रखती है। नवरात्र के अंतिम दिनों में निकलने वाला जवारा विसर्जन चल समारोह मढ़िया के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल है। नवरात्रि पर्व पर जहां पूरा शहर मां के भक्ति में लीन है वहीं उदय चौक माता महाकाली कमनिया गेट समिति ने मानवता और सेवा की एक मिसाल पेश की है। समिति ने मां महाकाली के आशीर्वाद से एक पुण्य और प्रेरणादायी कार्य करने का निर्णय लिया है समिति अध्यक्ष पंडित मृत्युंजय तिवारी ने बताया कि समिति के सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि आगामी वर्ष 2027 में एक निःसहय जरूरतमंद कन्या के विवाह का संपूर्ण दायित्व समिति उठाएगी और विवाह के उपरांत उसे नए गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए आवश्यक फ़ैरल सामग्री समिति की ओर से भेंट की जाएगी इस सामग्री में बर्तन, बिस्तर, कपड़े, श्रृंगार सामग्री एवं घर में उपयोग होने वाली अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल रहेंगी। यह छोटा सा प्रयास उस बेटी के नए जीवन की शुरुआत में सहयोग के उद्देश्य से किया जा रहा है उन्होंने कहा माँ महाकाली केवल पूजा-पाठ की देवी नहीं बल्कि शक्ति सेवा और करुणा की प्रतीक हैं। हम चाहते हैं कि हमारी समिति केवल उत्सव तक सीमित न रहे बल्कि समाज सेवा में भी अग्रणी भूमिका मढ़िया के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल है।

जरूरतमंदों के लिए दान की अपील

मण्डला(स्वतंत्र मत)। वर्ष 2016 से संचालित आनंदम दुआओं का घर मंडला के नव निर्मित भवन का शुभारंभ होने जा रहा है। इस अवसर पर आमजन से अपील की गई है कि घरों में जरूरत से अधिक रखी उपयोगी वस्तुएं आनंदम में दान करें। कपड़े जूते-उपहार कितारें कॉपियां बिस्तर मोबाइल पेन-पेंसिल घड़ी टीवी कूलर पंखे सहित ऐसी वस्तुएं जो अच्छी स्थिति में हैं और उपयोग में नहीं आ रही हैं उन्हें आनंदम में जमा कराया जा सकता है। ये वस्तुएं यहां आने वाले जरूरतमंद लोगों के लिए उपयोगी साबित



होंगी। आपकी अनुपयोगी वस्तु किसी जरूरतमंद के लिए मददगार बन सकती है। आइए, इस पहल से जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाएं और सेवा व सहयोग की भावना को आगे बढ़ाएं।

बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते ने 17 अक्टूबर को अपने सुपुत्र आरव सिंह का जन्मदिन आदर्श बाल गृह के बच्चों के साथ मनाया। इस अवसर पर बच्चों को मिठाई उपहार और सुरुचिपूर्ण भोजन कराया गया। कार्यक्रम में विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। श्री परस्ते ने बच्चों को बाल कल्याण एवं समेकित बाल संरक्षण इकाई की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों शिक्षा और सुरक्षित भविष्य के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता बताई।



पहुंचने की संभावना है। रावण दहन के दौरान जेआरसी मैदान और आसपास की सड़कों पर जनसमूह उमड़ने के मद्देनजर व्यवस्थाएं की गई हैं। पर्व के

टावर तो है लेकिन नेटवर्क नहीं

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)। मवई विकासखंड के रमतिला क्षेत्र में जियो मोबाइल नेटवर्क की बढहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। क्षेत्र में मोबाइल टावर मौजूद होने के बावजूद नेटवर्क बेहद सीमित क्षेत्र में मिलने से ग्रामीणों को कॉलिंग इंटरनेट ऑनलाइन पढ़ाई और जरूरी डिजिटल कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है नेटवर्क समस्या से परेशान ग्रामीणों ने जियो टावर के सामने अपने मोबाइल रखकर विरोध

दर्ज कराया। ग्रामीणों का कहना है कि मोबाइल रिचार्ज कराने के बाद भी यदि पर्याप्त नेटवर्क और इंटरनेट सुविधा उपलब्ध नहीं होती है तो उपभोक्ताओं को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। करीब 350 रुपये तक का रिचार्ज कराने के बावजूद नेटवर्क की समस्या बनी रहने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान समय में मोबाइल नेटवर्क केवल मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है।

कार्यालय न्यायालय नजूल अधिकारी मण्डला

रा.प्र.क्र.(अ-20/3)2025-26 दिनांक 16/10/2026

इश्तहार

एतद द्वारा साधारण आम जनता नगर मंडला को सूचित किया जाता है कि आवेदक पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान न्यास मंडला संस्था द्वारा मंडला नजूल शीट नंबर 17 प्लॉट नंबर 4/1 रकबा 246324 वर्गफुट भूमि में से 500 वर्गमीटर भूमि को योग प्राणायाम भवन प्रयोजनार्थ भूमि हस्तान्तरण/आवंटन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त भूमि हस्तान्तरित/ आवंटन के संबंध में किसी व्यक्ति संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह नियत पेशी दिनांक 28/10 /2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिका के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

जारी दिनांक-16/10/2026

पेशी दिनांक-28/10/2026

नजूल अधिकारी

मण्डला

संपादकीय

देश में ‘सूखे’ के हालात

मॉनसून बीते अभी एक माह भी नहीं हुआ, लेकिन देश में ‘जल–आपातकाल’ के हालात बन गए हैं। करीब 10 साल के अंतराल के बाद 2026 में अब भारत में ‘सूखे’ की स्थितियां स्पष्ट हो चुकी हैं। करीब 70.6 फीसदी हिस्सा, किसी न किसी रूप में, ‘सूखे’ का सामना कर रहा है। बुनियादी कारण ‘कम बारिश’ ही नजर आता है, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर इस बार सामान्य से करीब 13 फीसदी बारिश कम हुई है। देश के 300 बड़े जलाशयों में पानी बहुत कम है। तालाब तो शहर–दर–शहर सूख चुके हैं। कम बारिश, अनियमित बारिश और अलनीनो के व्यापक प्रभाव के कारण स्थितियां यहां तक पहुंच चुकी हैं कि गोवा में 94.6 से 100 फीसदी, जम्मू–कश्मीर में करीब 82 फीसदी, पंजाब में करीब 80 फीसदी, कर्नाटक में 76.3 फीसदी, अरुणाचल प्रदेश में 76.1 फीसदी, तेलंगाना में करीब 76 फीसदी, महाराष्ट्र में 70–84 फीसदी, हरियाणा में करीब 76 फीसदी और बिहार में 70 फीसदी से अधिक इलाके ‘सूखा–प्रभावित’ माने जा रहे हैं। महाराष्ट्र में 358 में से 265 तालुकाओं को ‘सूखाग्रस्त’ घोषित किया जा चुका है। कर्नाटक ने केंद्र से 11,000 करोड़ रुपए की मदद मांगी है। आंध्रप्रदेश ने भी केंद्र सरकार से मदद के अलावा सबसिडी की गुहार भी लगाई है।

भारत में 1871 से 2026 के बीच 27 ‘सूखा वर्ष’ दर्ज किए जा चुके हैं। हालांकि लगातार दो साल सूखा पड़ा हो, ऐसा अपेक्षाकृत दुर्लभ ही रहा है। 2001 के बाद 6 में से 5 सूखे अलनीनो से जुड़े और प्रभावित रहे हैं। मौजूदा संदर्भ में मजबूत अलनीनो का असर 2027 तक बना रह सकता है। बहरहाल सूखे का पहला असर कृषि पर होगा। सोयाबीन, बागवानी और खरीफ की अन्य फसलों को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। कई इलाकों में सोयाबीन की फलियों में दाने तक नहीं बन पाए हैं। कृषि से जुड़ा पहला सवाल यह है कि क्या देश में खाद्य–संकट पैदा हो सकता है? क्या आकाल और भुखमरी के हालात भी बन सकते हैं? विशेषज्ञ मान रहे हैं कि सूखे के कारण 15,000 से अधिक मौतें हो सकती हैं! यह ग़ोर त्रासद होगा! भारत में खाद्य–सुरक्षा के अधिकार का कानून है। भारत सरकार गेहूँ, चावल, चना, चीनी और अन्य अनाजों के ‘पर्याप्त भंडारों’ का दावा करती रही है। सरकार आज भी करीब 81.5 करोड़ भारतीयों को ‘मुफ्त राशन’ बांट रही है। बाजार में भी कोई संकट या कमी नहीं है, लिहाजा खाद्य–संकट के तात्कालिक आसार नहीं लगते। जहां तक जीडीपी का सवाल है, उसमें अब कृषि का करीब 16 फीसदी योगदान है। आजादी के वक्त यह योगदान 52 फीसदी था।

किसान की करीब 39 फीसदी आमदनी ही खेती से होती है, शेष वह मजदूरी से कमाता है। यही कृषि के संदर्भ में विडंबना है कि हम उसे आमदनी का बुनियादी, ठोस आधार नहीं बना पाए, नतीजतन किसान आज भी गरीब और कर्जदार है। यह देश की अर्थव्यवस्था का भी एक कुरूप यथार्थ है। बहरहाल सूखे का असर किसानों और देश की आर्थिक विकास दर पर कितना पड़ेगा, यह आकलन आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा, क्योंकि सिंचाई के लिए अब नलकूपों, छोटे–छोटे चैक डैम आदि का व्यापक इस्तेमाल किया जाता है। उनके लिए भी पानी की आवश्यकता बुनियादी है और सूखे से पहले ही कई इलाकों में भू–जल स्तर में भारी गिरावट आई है। निजी और व्यापारिक तौर पर बोरिंग कराई जा रही हैं, लेकिन भूमिगत जल नहीं है, तो बोरिंग से भी पानी कहाँ से मिलेगा? सूखे के कारण पेयजल, पशुओं के चारे की किल्लत भी बढ़ गई है, नतीजतन किसानों को औने–पौने दामों पर अपने मवेशी तक बेचने को बाध्य होना पड़ रहा है। यदि सूखे के कारण उसकी आमदनी प्रभावित होती है, तो घर खर्च, बच्चों की स्कूल फीस, दवा–इलाज, जीवन की अन्य बुनियादी जरूरतों के लिए पैसा कहाँ से आएगा?

रावण अमर है, इसीलिए हर साल जलता है



अनिरुद्ध सिंह कुसुम

लेखक/पत्रकार

बाल्मिकी और तुलसीबाबा कृत रामायण और शास्त्रों में जहां रावण का विस्तृत वर्णन है वहां उल्लेखित है की ब्रह्मा द्वारा रावण को अमरत्व का वरदान प्राप्त था और हर साल जलने वाले रावण को देखकर ये सही प्रतीत होता भी है । आमतौर पर यही कहा जाता है कि बुराई के प्रतीक रावण का दहन कर दिया इससे ये बात और स्पष्ट हो जाती है कि रावण बुराई के रूप में हमारे बीच आज भी जिंदा है और शायद इसीलिए अमर है। हर साल शशहरे पर हम एक ही दृश्य देखते हैं। मैदान में तीन पुतले खड़े हैं, भीड़ है, जय श्रीराम के नारे हैं और फिर एक तीर चलता है, पुतला धू–धू कर जल उठता है। तालियां बजती हैं, लोग कहते हैं बुराई पर अच्छाई की जीत हो गई। लेकिन सच ये है कि रावण मरा नहीं है, वह अमर है।

रावण की अमरता दो तरह की है। पहली अमरता उसे वरदान से मिली और दूसरी अमरता हमने उसे दी है। रामायण कहती है कि रावण ने ब्रह्मा जी की कठोर तपस्या की थी। उसने अपने सिर काट–काट कर चढ़ा दिए। उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने उसे वरदान दिया। वह अजेय हो गया। देवता, गंधर्व, यक्ष उसे मार नहीं सकते थे। उसने मनुष्य

और वानर को तुच्छ समझा, इसलिए वरदान में उन्हें नहीं मिलाया और यही उसकी मृत्यु का कारण बना। रावण विद्वान था, वेदों का ज्ञाता था, शिवभक्त था, संगीतज्ञ था, पर उसके भीतर एक दोष था – अहंकार। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में लिखा है – मोहभूल बहु सूल प्रद त्यागहु तम अभिमान ॥ भजूह राम रघुनायक कृपा सिंधु भगवान ॥ अर्थात मोह ही सारे दुखों की जड़ है, और अभिमान तो घोर अंधकार है, उसे त्याग कर कृपा के सागर भगवान राम का भजन करो। रावण अनेक विधाओं का अदभुत ज्ञाता था लेकिन एक अहंकार ने उसकी सम्पूर्ण विद्वत्ता पर ग्रहण लगा दिया और उसका जीवन इसी अभिमान का प्रतीक बन गया है। रावण के दस सिर कहे जाते हैं। ये दस सिर प्रतीक हैं – काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, द्वेष, भय और हिंसा। और वर्तमान में हमारे भीतर क्या ये दस सिर नहीं हैं?

हम रावण का पुतला जलाते हैं पर उसके चरित्र को रोज जीते हैं। दफतर में बैठ अधिकारी जब रिश्त मांगता है, वह लोभ का सिर है। सोशल मीडिया पर जब कोई दूसरों को

गाली देता है, वह क्रोध का सिर है। जब हम अपने पद का घमंड दिखाते हैं, वह अहंकार का सिर है। जब हम दूसरे धर्म, जाति से नफरत करते हैं, वह द्वेष का सिर है। रावण तो लंका में था, पर उसके ये दस सिर आज हर गली, हर मोहल्ले, और यदि हम कहीं की वह हर घर में है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं और इसीलिए वह अमर है। आज हमारे पास सब कुछ है फिर भी हमें और चाहिए। यही तो रावणत्व है। हम

रावण को हर साल इसलिए जलाते हैं क्योंकि हमें एक दिन के लिए अच्छा महसूस करना है कि हमने बुराई को हरा दिया। यह एक उत्सव है, एक परंपरा है। लेकिन बुराई पुतला जलाने से नहीं जलती। बुराई अच्छे आचरण से अहंकार ने उसकी सम्पूर्ण विद्वत्ता पर ग्रहण लगा दिया और उसका जीवन इसी अभिमान का प्रतीक बन गया है। रावण के दस सिर कहे जाते हैं। ये दस सिर प्रतीक हैं – काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, द्वेष, भय और हिंसा। और वर्तमान में हमारे भीतर क्या ये दस सिर नहीं हैं?

हम रावण का पुतला जलाते हैं पर उसके चरित्र को रोज जीते हैं। दफतर में बैठ अधिकारी जब रिश्त मांगता है, वह लोभ का सिर है। सोशल मीडिया पर जब कोई दूसरों को



जलती है। राम ने रावण को क्यों मारा? सिर्फ सीता हरण के लिए नहीं। बाल्मिकी रामायण में राम कहते हैं कि वे केवल अपनी पत्नी के लिए युद्ध नहीं कर रहे, वे धर्म की स्थापना के लिए युद्ध कर रहे हैं। रावण ने वेदों का अपमान किया था, ऋषियों को सताया था, अहंकार में धर्म को चुनौती दी थी। आज जरूरत है पुतला दहन के साथ–साथ मन दहन की भी। एक दिन रावण का पुतला जलाने से अच्छा है कि हम एक–एक करके अपने भीतर के एक सिर को जलाएं। तुलसीदास जी ने एक और चौपाई में

लिखा है–

परहित सरिस धर्म नहीं भंडाई । परपीड़ सम नहीं अधमाई ॥ दूसरों का भला करने जैसा कोई धर्म नहीं और दूसरों को पीड़ा देने जैसा कोई पाप नहीं। रावण परपीड़क था। वह दूसरों को दुख देता था। आज अगर हम किसी को दुख दे रहे हैं, किसी का हक मार रहे हैं, किसी कमजोर को सता रहे हैं तो हम ही रावण हैं। रावण ज्ञानी था, इसलिए वह अमर है। लोग आज भी उसकी पूजा करते हैं, उसके ज्ञान की बात करते हैं। मध्यप्रदेश के विदिशा में, कर्नाटक में और श्रीलंका में आज भी रावण की पूजा होती है। क्योंकि ज्ञान कभी नहीं मरता। रावण का ज्ञान अमर है, पर उसका अहंकार जलने योग्य है। हम हर साल उसके अहंकार को जलाते हैं, उसके ज्ञान को नहीं। इसीलिए यह कहना गलत नहीं होगा – रावण अमर है, इसीलिए हर साल जलता है। वह हमें याद दिलाते आता है कि बुराई कभी पूरी तरह मरती नहीं, वह रूप बदल कर लौट आती है। कभी भ्रष्टाचार के रूप में, कभी आतंकवाद के रूप में, कभी नशे के रूप में, कभी अहंकार के रूप में।

दशहरा हमें एक मौका देता है आत्ममंथन का। सिर्फ मंथन में खड़े पुतले को मत देखिए, अपने भीतर झाँकिए। पछिए कि काम,क्रोध और ईर्ष्या के रूप में मेरे भीतर का कौन सा रावण अभी जिंदा है? जिस दिन हमने अपने भीतर के रावण को जलाना शुरू कर दिया तो समझिए रावण दहन सार्थक हो गया।

कोलकाता के चोरबागान में पूजा पंडाल में हुई भगदड़

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती रहेंगी जिंदगियां?



ललित रानी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयेजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लस और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शांति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयेजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्रार्थनिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में ईंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार–बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता–पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसे के बाद जागने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चेतेंगे?

किसी भी हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक

परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवतः धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता–पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल रहत राशि घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयेजनों की भव्यता और लोकप्रियता के साथ एक अलवस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयेजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयेजन की सफलता का मूल्यांकन केवल वहां उमड़ने वाली भीड़ से होना चाहिए? क्या आयेजकों और समितियों को यह नहीं समझना चाहिए कि श्रद्धालुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी? संकरी गलियों, सीमित निकास द्वारों, अवरुद्ध रास्तों और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच हजारों लोगों को प्रवेश देना उत्सव की सफलता नहीं, बल्कि एक संभावित त्रासदी को आमंत्रण देना है।

कोलकाता की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भीड़ प्रबंधन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य व्यवस्था है। किसी भी बड़े धार्मिक आयेजन से पहले स्थल की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। प्रवेश और निकास के रास्ते अलग–अलग तथा पर्याप्त चौड़े हों, आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिह्नित हों, भीड़ की आवाजाही एक दिशा में नियंत्रित की जाए और प्रशिक्षित कर्मियों की पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अफवाह फैलने या किसी अप्रत्याशित घोषणा से भीड़ का व्यवहार



बदल सकता है। इसलिए हर आयेजन में आपातकालीन योजना, नियमित अभ्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा की तैयारी हादसे के बाद नहीं, आयेजन की योजना बनाते समय शुरू होनी चाहिए। इस पूरे परिदृश्य में प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को केवल अनुमति जारी करने अथवा आयेजन के दौरान औपचारिक निरीक्षण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अनुमति से पहले स्थल का निरीक्षण, भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, सुरक्षा मानकों की जांच और निकास मार्गों की उपलब्धता का सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले आयेजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और यदि जांच में अधिकारियों की लापरवाही सामने आए, तो उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। किसी समिति का प्रभाव, किसी आयेजक की प्रतिष्ठा या किसी उत्सव की लोकप्रियता कानून और नागरिक सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती। जवाबदेही के बिना सुरक्षा केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाती है।

साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का–मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। धार्मिक स्थल पर पहुंचकर संयम बनाए रखना, निर्धारित मार्गों का पालन करना, धक्का न देना, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना तथा आधिकारिक निर्देशों को सुनना आवश्यक है। यदि भीड़ असामान्य रूप से घनी हो जाए, तो आगे बढ़ने

की जिद करने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रुकना और निर्देशों का पालन करना चाहिए। आयेजकों को भी श्रद्धालुओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए कि भक्ति का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान है। हमारे धर्म और संस्कृति का मूल संदेश करुणा, अहिंसा, सेवा और जीवन के प्रति आदर है। पूजा–पाठ का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक है, जब हमारी आस्था मानवता की रक्षा का माध्यम बने। यदि किसी धार्मिक आयेजन में सुरक्षा की अनदेखी होती है, तो वह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि उन मूल्यों से विचलन भी है, जिनका उत्सव मनाने का दावा किया जाता है। देवी की आराधना करने वाले समाज को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी श्रद्धालु की जान अव्यवस्था के कारण न जाए। श्रद्धा का अर्थ आंखें बंद करके भीड़ का हिस्सा बन जाना नहीं, बल्कि विवेक, संयम और जिम्मेदारी के साथ अपने धर्म का निर्वाह करना है।

अब समय आ गया है कि हर ऐसी त्रासदी को एक स्वतंत्र जांच, स्पष्ट जवाबदेही और ठोस सुधारों से जोड़ा जाए। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हो, दोषियों पर समयबद्ध कार्रवाई हो और भविष्य के आयेजनों के लिए लागू किए जाने वाले सुरक्षा मानकों की नियमित समीक्षा हो। केंद्र और राज्य सरकारों को बड़े धार्मिक आयेजनों के लिए एक समान न्यूनतम सुरक्षा मानक विकसित करने चाहिए। आयेजक समितियों, प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य सेवाओं और स्वयंसेवकों के बीच समन्वय को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। इन व्यवस्थाओं का पालन केवल कागजों में नहीं, जमीन पर दिखाई देना चाहिए। कोलकाता की त्रासदी हमें चेतावनी दे रही है कि उत्सव की चमक के पीछे छिपी लापरवाही कभी भी अधिकार बनकर उतर सकती है। मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि केवल शोक व्यक्त करना या उनके परिजनों को सहायता देना नहीं, बल्कि यह संकल्प लेना है कि ऐसी दुर्घटनाएं दोबारा न हों। सरकार जागे, प्रशासन अपनी जिम्मेदारी समझे, आयेजक अपनी प्रतिष्ठा से पहले लोगों की सुरक्षा को रखें और नागरिक अपनी आस्था के साथ विवेक को भी स्थान दें। आखिर कितने हादसों के बाद हम सीखेंगे? कितने परिवारों के उजड़ने के बाद हमारी व्यवस्थाएं बदलेंगी? और कितनी जिंदगियों की कीमत पर हम समझेंगे कि कोई भी उत्सव, कोई भी आयेजन और कोई भी धार्मिक आस्था मृत्यु के जीवन से बड़ी नहीं हो सकती। आस्था का सच्चा सम्मान तभी होगा, जब हर श्रद्धालु उत्सव में सुरक्षित प्रवेश करे और सकुशल अपने घर लौटे।

राजनीति और ज्योतिष

संतोष उत्सुक

चुनाव हों तो ज्योतिष पर चर्चा और खर्चा बढ़ना लाजमी है। ज्योतिषी बड़ी समझदारी से गणना खंगालते हैं उसमें अनुभवं, जान पहचान, विश्वास और समकालीन माहौल का रसायन मिलाकर भविष्यवाणी करते हैं। जिन ज्योतिषियों का राजनेताओं से याराना होता है, वे घुमाफिरा कर या फिर सीधे सीधे उनके पक्ष में भविष्यवाणी करते हैं। ऐसे ज्योतिषी भी हैं जो डरते नहीं। उन्हें अपना काम सही तरीके से करना आता है। वे डंके की चोट पर भविष्य का हाल बताते हैं। उनकी ऐसी बातों से कुछ लोग डंकी ऐसी महसूस करते हैं जो।

यह तो होता ही है कि सभी भविष्यवाणियां और सबकी भविष्यवाणियां सच नहीं होती। जब तक भविष्यवाणी सच न हो तब तक ज्योतिषी वीआईपी होता है। झूठ साबित हो जाए तो उसकी साख कुछ समय के लिए गिर जाती है। अगली भविष्यवाणी सच साबित होने तक थोड़ा व्यावसायिक नुकसान भी हो सकता है। कुछ भी कह लो जी, ज्योतिष, असुरक्षित, अविश्वसनीय, वर्तमान स्वास्थी वातावरण में चुनाव लड़ने वालों के लिए अनुष्ठान किया जाए तो बेचारा उन्साह बरकार रहता है। उन्साह ज्यादा बढ़ जाए तो नुकसानदेह हो सकता है।

दिलचस्प यह है कि पूरी दुनिया इस समय भारत की दीवानी है। हम हर काम पहले कर चुके हैं जिसका नालायक दुनिया को बाद में पता चला। हमारे देश की

तरह, चुनाव के दिनों में, विदेशों में भी राजनीतिज्ञों के साथ साथ ज्योतिषी भी बहुत व्यस्त रहते हैं। अपने फामूले लगाकर, भविष्यवाणी करने से उनके व्यससाय और चाहने वालों में बढ़ोतरी हो रही है। समझदार भविष्यवक्ता कह रहे हैं कि उन्होंने तो पिछले साल ही कह दिया था कि कमला के ग्रह बेहतर स्थिति में हैं। इन ज्योतिषियों के अनुयायी बढ़ गए हैं यानी उनका धंधा



व्यंग्य

चमक रहा है। भी राज् खुल रहे हैं कि पहले भी फलां फलां नेता सलाह ले चुके हैं। ज्योतिषीय सलाह लेने में हर्ज ही क्या है। यह कोई एल्लोपैथिक दवाई हो है नहीं कि जिस पर असर डालेगी। जीवन, कैरियर और सम्बन्धों में तनाव और अनिश्चितता बढ़ रही है तभी नौजवान खूब आकर्षित हो

रहे हैं। उनके लिए ज्योतिष एक थैरेपी की तरह काम कर रहा है। हमारे लिए राष्ट्रीय, शान बढ़ाऊ खुशखबर यह है कि विदेशी ज्योतिषियों ने भी भारतीय ज्योतिषियों की तरह अपने शब्दों और जीभ को अवसर के मुताबिक हिलाना सीख लिया है। वे परिस्थितियों और घटनाओं का विश्लेषण करते हुए माथा देखकर तिलक करते हुए सुरक्षित व्यवसाय कर रहे हैं। देखने में आया है कि ज्योतिषी अलग अलग बातें कर रहे हैं जिनमें अवसरवादिता भी झलक रही है। प्रत्यशी के साथ ज्योतिषी को जोड़ा जा रहा है। ज्योतिष और राजनीति का हलवा आम जनता को बहुत स्वादिष्ट लगता है। खुशी की बात यह है कि वहां, यह सब कुछ, हमारे देश की तरह हो रहा है

अत्याचार व तानाशाही : सत्ता परिवर्तन के लक्षण



और विपक्ष के अस्वीली एजेंडे को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। सत्ताधारियों की तरफ से आये इस्तरह के बयान के बाद सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर भी तीखी बहस छिड़ गई और सरकार के समर्थकों द्वारा डट्टुसदड्डु हददस्रह्म स्मस्त्रदु जैसे हैशटैग ट्रेंड कराए जाने लगे। परन्तु जब उखाड़ फेंकने के लिये जनता को उकसायें तो कोई बात नहीं ? या मोदी जब कांग्रेस मुक्त भारत की बात करें तो वह सब ठीक है ? जिस सरकार के नेताओं को सत्ता

परिवर्तन जैसे शब्द इतने बुरे लगे उसे यह भी सोचना चाहिए कि धरना प्रदर्शन रोकने के लिये ट्रैन, मेट्रो, स्कूल कॉलेज,बसें आदि बंद करने व जनता को इससे होने वाली परेशानियों पर क्या विपक्ष अपनी आँखें मूंदकर बैठा रहे? सरकार की पुलिस निहत्थे लोगों को सिर्फ इसलिए बर्बरता से पीटे कि वे लोकतान्त्रिक देश में अपने हक की आवाज क्यों बुलंद कर रहे हैं तो क्या विपक्ष तमाशाई बना रहे? परीक्षा के पेपर लीक पर लीक होते रहें, बच्चों का भविष्य अंधकार में डूबा रहे और विपक्ष कुछ न बोले? प्लैटैट गन चलाकर प्रदर्शनकारियों

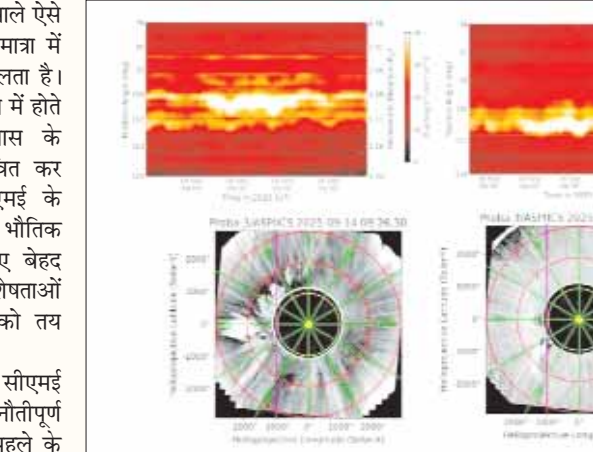
की जान से खिलवाड़ किया जाये और दोषी व्यक्ति के विरुद् एफ़् आई और न हो तो क्या विपक्ष खामोश रहे? वोट चोरी के सुबूत पर सुबूत पेश किये जा रहे हैं,चुनाव आयोग को कठपंरे में खड़ा किया जा रहा है। ऐसे में सत्ता तो भ्रष्ट चुनाव आयोग के समर्थन में खड़ी हो जाये परन्तु यदि विपक्ष कुछ बोले या सत्ता व चुनाव आयोग नेटवर्क को बेनकाब करे तो कहा जाये कि यह विपक्ष सत्ता हासिल करने के लिए कर रहा है या विपक्ष अराजकता फैला रहा है? एस आई आर के बहाने 13 करोड़ से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिये जायें और विपक्ष तालियां बजाता रहे, यह आखिर कैसे हो सकता है? सत्ता सार्थक गुंडे बदमाश सादे किलाम में या बिना पहचान की पुलिस की वर्दी में प्रदर्शनकारियों को पीटें अपमानित करें बहनों की इरज़ूत से खिलवाड़ करें और विपक्ष खामोश रहे ? यह कैसे संभव है। धरने प्रदर्शन से भयभीत सरकार, विरोध प्रदर्शनों को सत्ता के दरवाजे यानी जंतर जंतर से दूर करने की साज़िश करे और सरकार जंतर जंतर पर प्रदर्शन प्रबंधित कर दे परन्तु विपक्ष कुछ न बोले यह कैसे हो सकता है ? दिल्ली का जंतर–

मंतर ही नहीं बल्कि लंदन का पार्लियामेंट स्क्वायर या अमेरिका का ला फ़ायेट स्क्वायर तथा और भी दर्जनों लोकतान्त्रिक देशों में चोरी के सुबूत पर सुबूत पेश किये जा रहे हैं,चुनाव आयोग को कठपंरे में खड़ा किया जा रहा है। ऐसे में सत्ता तो भ्रष्ट चुनाव आयोग के समर्थन में खड़ी हो जाये परन्तु यदि विपक्ष कुछ बोले या सत्ता व चुनाव आयोग नेटवर्क को बेनकाब करे तो कहा जाये कि यह विपक्ष सत्ता हासिल करने के लिए कर रहा है या विपक्ष अराजकता फैला रहा है? एस आई आर के बहाने 13 करोड़ से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिये जायें और विपक्ष तालियां बजाता रहे, यह आखिर कैसे हो सकता है? सत्ता सार्थक गुंडे बदमाश सादे किलाम में या बिना पहचान की पुलिस की वर्दी में प्रदर्शनकारियों को पीटें अपमानित करें बहनों की इरज़ूत से खिलवाड़ करें और विपक्ष खामोश रहे ? यह कैसे संभव है। धरने प्रदर्शन से भयभीत सरकार, विरोध प्रदर्शनों को सत्ता के दरवाजे यानी जंतर जंतर से दूर करने की साज़िश करे और सरकार जंतर जंतर पर प्रदर्शन प्रबंधित कर दे परन्तु विपक्ष कुछ न बोले यह कैसे हो सकता है ? दिल्ली का जंतर–



भारत के आदित्य-एल1 और यूरोप के प्रोबा-3 के कोरोनोग्राफ के पहले संयुक्त विश्लेषण ने सौर विस्फोटों के रहस्यों को सुलझाया

चेन्नई, (वार्ता) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा है कि भारत के आदित्य-एल1 और यूरोप के प्रोबा-3 पर लगे कोरोनोग्राफ के पहले संयुक्त विश्लेषण से सूर्य के पास ही सौर विस्फोटों के शुरुआती दौर के रहस्यों का पता लगाया गया है। इसरो ने एक अपडेट में बताया कि पहली बार आदित्य-एल1 और प्रोबा-3 मिशन द्वारा एक ही सौर विस्फोट की वैज्ञानिक टिप्पणियों का संयुक्त विश्लेषण किया गया है और इसके निष्कर्ष प्रकाशित किए गए हैं। बेंगलुरु स्थित भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईएफ) के वैज्ञानिकों ने आदित्य-एल1 पर लगे वीईएलसी और प्रोबा-3 पर लगे एस्पिक्स पेलोड से प्राप्त आंकड़ों को मिलाकर सूर्य से निकलने वाले कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) का अध्ययन किया। उन्होंने सूर्य के बेहद निकट के क्षेत्र में इन सौर विस्फोटों के द्रव्यमान, घनत्व और ऊर्जा संबंधी विशेषताओं का आकलन किया। इस अध्ययन को प्रतिष्ठित शोध पत्रिका एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स में प्रकाशित किया गया है।इस विश्लेषण के बारे में इसरो ने



पीएसएलवी-सी57 ने लॉन्च किया था। इस अंतरिक्ष यान को छह जनवरी, 2024 को सूर्य-पृथ्वी एल1 बिंदु के चारों ओर एक हेलो कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया था। यह खास जगह सूर्य की विभिन्न गतिविधियों पर बिना किसी रुकावट के नजर रखने में मदद करती है। विजिबल एमिशन लाइन कोरोनोग्राफ को बेंगलुरु के आईआईएफ ने इसरो के साथ मिलकर विकसित किया है। वेलक 5303 एंस्ट्रम हरी कोरोनल लाइन में 1.05 से 1.5 सौर त्रिंया से सौर कोरोना के स्पेक्ट्रोस्कोपिक (वर्णक्रमीय) आंकड़े

लेता है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के मिशन प्रोबा-3 को पांच दिसंबर, 2024 को श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-एक्सएल द्वारा लॉन्च किया गया था। यह दुनिया का पहला सटीक फॉर्मेशन-फ्लाईंग मिशन है। इसमें दो अंतरिक्ष यान एक-दूसरे से लगभग 150 मीटर की दूरी पर उड़ान भरते हैं और एक यान दूसरे पर अपनी छाया डालता है। इससे अंतरिक्ष में एक कृत्रिम सूर्य ग्रहण जैसी स्थिति बनती है, जिससे प्रोबा-3 पर लगा एस्पीक्स कोरोनोग्राफ सफेद रोशनी और 5303 एंस्ट्रम हरी

केवल दो ऐसे सीएमई थे, जिन्हें वीईएलसी और एस्पीक्स दोनों ने एक साथ रिकॉर्ड किया था। दोनों ही मामलों में वीईएलसी ने विस्फोटों को उनके शुरुआती चरण में ही पकड़ लिया, जो यह दर्शाता है कि ये दोनों उपकरण एक-दूसरे के पूरक के रूप में कैसे काम करते हैं। मुख्य निष्कर्षों के बारे में भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि दोनों सीएमई में दो अलग-अलग तरह का व्यवहार देखा गया। 14 सितंबर का सीएमई तेज रफ्तार (लगभग 645 किमी प्रति सेकंड) वाला था, जबकि 16 सितंबर का सीएमई काफी धीमा (145 किमी प्रति सेकंड) था। दूसरे (16 सितंबर वाले) सीएमई का घनत्व ऊंचाई के साथ पहले वाले की तुलना में अधिक तेजी से गिरा, जो इसके शुरुआती दौर में मजबूत विस्तार को दर्शाता है।

भले ही दोनों उपकरणों ने अलग-अलग यामितीय मान्यताओं, भौतिक पहलुओं और अवलोकन के तरीकों का इस्तेमाल किया हो, लेकिन एस्पीक्स और वीईएलसी से प्राप्त द्रव्यमान और थर्मल ऊर्जा के अनुमान आपस में काफी मेल खाते हैं। 14 सितंबर, 2025 के सीएमई में थर्मल ऊर्जा कुल ऊर्जा का

केवल एक प्रतिशत थी, जबकि 16 सितंबर, 2025 के सीएमई में थर्मल ऊर्जा तब तक बढ़ती गई जब तक कि वह गतिज ऊर्जा के बराबर नहीं हो गई। अनुमान के मुताबिक, इसमें चुंबकीय ऊर्जा, गतिज ऊर्जा के बराबर या उससे अधिक थी। ये परिणाम आंतरिक कोरोना में सीएमई के द्रव्यमान, घनत्व और उसकी ऊर्जा को सटीक रूप से मापने में एस्पीक्स और वीईएलसी के संयुक्त उपयोग की वैज्ञानिक क्षमता को प्रदर्शित करते हैं, जिससे सीएमई के शुरुआती विकास को समझने में नए रास्ते खुले हैं। अध्ययन से यह बात सामने आती है कि कोरोना की तस्वीरें लेने वाले कोरोनोग्राफ की उसके स्पेक्ट्रम को मानपे वाले कोरोनोग्राफ के साथ जोड़ने से सीएमई की उत्पत्ति और विकास का एक अधिक संपूर्ण और पुख्ता नजरिया मिलता है।

इस अध्ययन का नेतृत्व भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान के शोधकर्ताओं ने अन्य यूरोपीय और अमेरिकी सौर भौतिकविदों के साथ मिलकर किया। यह कार्य सौर खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में आदित्य-एल1 के बढ़ते वैज्ञानिक प्रभाव तथा समन्वित प्रयासों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की मजबूती को दर्शाता है।

नेतन्याहू को सता रहा अमेरिका से रिश्ते बिगड़ने का डर, बोले- भारत के साथ संबंध मजबूत करना जरूरी

तेल अवीव इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आशंक जताई है कि भविष्य में इजरायल को अमेरिका में विरोधी प्रशासन का सामना करना पड़ सकता है, जिससे दोनों देशों के सैन्य सहयोग और राजनीतिक साझेदारी पर असर पड़ सकता है। 27 अक्टूबर को होने वाले आम चुनावों से ठीक पहले एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल को अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भारत और लैटिन अमेरिकी देशों के साथ नए अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने होंगे। नेतन्याहू ने कहा कि अगले दो वर्षों में अमेरिका में सत्ता परिवर्तन हो सकता है और कोई ऐसा राष्ट्रपति सत्ता में आ सकता है जो इजरायल के प्रति सख्त या विरोधी रुख रखता हो। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में इजरायल

परिदृश्य और ब्राजील का उदाहरण देते हुए कहा कि इजरायल को अपने सहयोगियों का दायरा बढ़ाना होगा और अपनी क्षमताओं को इतना मूल्यवान बनाना होगा कि हर देश उनके साथ जुड़ना चाहे। यह पहला मौका नहीं है जब नेतन्याहू ने इजरायल के वैश्विक अलगाव को खारिज करने के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने संबंधों का हवाला दिया हो। इससे पहले मई में भी उन्होंने कहा था कि इजरायल के भारत जैसी बड़ी महाशक्ति के साथ अनोखे संबंध हैं और वहां के लोग इजरायल से गहरा लगाव रखते हैं। इजरायली राजनीतिक विश्लेषकों का मानना ​​है कि अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी में इजरायल को लेकर बड़ी नाज़जगी के पीछे नेतन्याहू के कुछ राजनीतिक फैसले रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और जो बाइडन के साथ उनके रिश्ते अक्सर तनावपूर्ण रहे।

फ्रांस में हिंसा के बाद भी गृह मंत्री बने रहेंगे लॉरेंट नुनेज़, मैक्रों ने नामंज़ूर किया इस्तीफा

पेरिस, (वार्ता)। फ्रांस में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने खुफिया तंत्र और पूर्व तैयारियों में नाकामी स्वीकार की है लेकिन उन्होंने गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज का इस्तीफा नामंज़ूर किया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोमवार को बयान जारी कर यह जानकारी दी। फ्रांस में महंगाई और रोजगार के खर्चों में बढ़ोतरी के खिलाफ हुए प्रदर्शनों ने अचानक हिंसक रूप ले लिया था, जिसके बाद देश को हाल के वर्षों की सबसे भीषण हिंसा का सामना करना पड़ा है। इस बवाल के बाद कुछ विपक्षी नेता गृह मंत्री नुनेज को पद से हटाने की मांग कर रहे थे। गृह मंत्रालय के मुताबिक, शनिवार को देश भर में प्रदर्शनाकारियों और पुलिस के बीच तीखी झड़पें हुईं, बड़े पैमाने पर लूटपाट की गई और आगजनी की घटनाएं भी सामने आई हैं। इस दौरान लगभग 2,400 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि करीब 1,000 पुलिसकर्मी और गश्त दल के जवान घायल हुए।

जेलेन्स्की युद्ध रोकने पर दें ध्यान, अमेरिका ने नहीं रोकी कोई खुफिया मदद : मार्को रुबियो

ताशकंद, (वार्ता) अमेरिका ने यूक्रेन को दो जाने वाली खुफिया जानकारी पर रोक लगाने के दावों को सिर से खारिज कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोमवार को इस बात से इनकार किया कि यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करने पर कोई रोक लगाई गई थी। उन्होंने राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की से रूस के साथ युद्ध समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। यूक्रेन के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि रूस के मिसाइल हमलों का मुकाबला करने में मदद के लिए अमेरिका ने कुछ समय के लिए खुफिया जानकारी भेजना रोक दिया था, रुबियो ने पत्रकारों से कहा, इसमें कोई रोक नहीं लगी थी। श्री रुबियो ने ये बातें उजबेकिस्तान दौरे पर कही। इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति ने रविवार को अमेरिकी मीडिया से कहा था कि तीन दिन के निलंबन के बाद अमेरिका ने यह रोक हटा ली है।



ने लिखा कि वह रूस-यूक्रेन के बीच शांति समझौते की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं लेकिन श्री जेलेन्स्की को इसकी कोई परवाह नहीं है। श्री ट्रंप ने आरोप लगाया, सच तो यह है कि यूरोप से मिल रहे भारी-भरकम फंड के दम पर श्री जेलेन्स्की इस युद्ध को खत्म ही नहीं करना चाहते। वे जानते हैं कि रूसी डीजल रिफाइनरियों पर हमलों से अमेरिका समेत दुनिया भर के डीजल बाजार को भारी नुकसान पहुंच रहा है, फिर भी वे जानबूझकर उन्हें निशाना बना रहे हैं। इससे पहले, श्री जेलेन्स्की ने दावा किया था कि अमरिका ने तीन दिनों तक खुफिया मदद रोक दी थी, जिससे यूक्रेन पर बैलिस्टिक मिसाइल हमलों का खतरा बढ़ गया था। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि अमरीका ने अब यह रोक हटा ली है और इसके लिए वे आभारी हैं।दूसरी तरफ, अमरीकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने श्री जेलेन्स्की के इस दावे को गैर-जिम्मेदाराना करार दिया है।

सऊदी अरब ने बैलिस्टिक मिसाइल, ड्रोन मार गिराए, हूती हमलों में तेजी

रियाद, (वार्ता)। सऊदी अरब की वायु रक्षा प्रणालियों ने यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों और कई ड्रोन को रविवार को रोककर नष्ट कर दिया। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस बीच, रियाद और दक्षिणी शहर खमीस मुशैत में हवाई खतरे को लेकर आपात अलर्ट जारी किए गए। यमन में वैधता बहाल करने के लिए गठित सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने बताया कि रविवार तड़के खमीस मुशैत की ओर दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों को रोककर नष्ट कर दिया गया। इसके कुछ मिनट बाद गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने रियाद क्षेत्र में एक ड्रोन को भी मार गिराए जाने की घोषणा की। इन घटनाओं से पहले नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय ने स्थानीय समयानुसार रात करीब 1.30 बजे मोबाइल फोन पर अलर्ट जारी कर लोगों को हवाई खतरे की चेतावनी दी थी। कुछ मिनट बाद यह अलर्ट हटा लिया गया। दिन में बाद में नागरिक सुरक्षा विभाग ने नज्रान शहर और अस सुलयिल गवर्नरट के लिए भी चेतावनी जारी की, जिन्हें बाद में वापस ले लिया गया।

नारीशक्ति की भागीदारी से विकास की नई राह पर उत्तर प्रदेश : योगी

लखनऊ, (वार्ता) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि मां सिद्धिदात्री के आशीर्वाद से प्रदेश की नारीशक्ति अपने सामर्थ्य, संकल्प और आत्मविश्वास के बल पर रा्य की प्रगति एवं समृद्धि में निर्णायक भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि नारी का सम्मान समाज में सुख, समृद्धि और कल्याण का आधार है तथा सशक्त नारी ही समृद्ध उत्तर प्रदेश की नींव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में अराजकता और असुरक्षा का माहौल था। उनके अनुसार, उस समय गुंडे,

माफिया और उपद्रवी सत्ता के समानांतर काम कर रहे थे तथा प्रदेश दंगों की घटनाओं से प्रभावित था। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहारों से पहले उपद्रव की स्थिति पैदा होने के कारण अभिभावक अपनी बेटियों के सुरक्षित भविष्य को लेकर चिंतित रहते थे और उन्हें दूसरे रायों में भेजने के लिए मजबूर होते थे। योगी ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने अपराध और अपराधियों के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाते हुए कानून का शासन

स्थापित करने पर जोर दिया। सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश ने उपद्रव की छवि से निकलकर उत्सव प्रदेश के रूप में अपनी पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, पिछले साढ़े नौ वर्षों में नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में किए गए प्रयासों ने प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने दावा किया कि इस अवधि में प्रदेश का सकल राय घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी), प्रति व्यक्ति आय, बजट और महिला श्रमबल की भागीदारी तीन गुना हुई है। प्रदेश लगातार राजस्व अधिशेष की स्थिति में बना हुआ है और उसे 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बड़े कारखानों की संख्या लगभग ढाई गुना बढ़कर 14 हजार से 35 हजार हो गई है। निवेश के माध्यम से 65 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश रक्षा



उत्पाद (जीएसडीपी), प्रति व्यक्ति आय, बजट और महिला श्रमबल की भागीदारी तीन गुना हुई है। प्रदेश लगातार राजस्व अधिशेष की स्थिति में बना हुआ है और उसे 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बड़े कारखानों की संख्या लगभग ढाई गुना बढ़कर 14 हजार से 35 हजार हो गई है। निवेश के माध्यम से 65 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश रक्षा

उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसके लिए रक्षा औद्योगिक गलियारे की भूमिका अहम है। योगी ने कहा कि देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश में है। प्रदेश की कृषि विकास दर आठ प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई है। निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से युवाओं को साढ़े नौ लाख सरकारी नौकरियां दी गई हैं, जबकि स्टार्टअप की संख्या 120 से बढ़कर 24 हजार से अधिक हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूक्ष्म,

लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के प्रयासों से तीन करोड़ से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग, निवेश, कृषि, रोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में हो रहे बदलाव प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं। योगी ने कहा कि सशक्त नारी, समृद्ध उत्तर प्रदेश के संकल्प के साथ सरकार विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने नारीशक्ति की भागीदारी को प्रदेश की प्रगति और समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार बताया।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी कबूतर में निभाएंगे मुख्य भूमिका

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी लेखक-निर्देशक इशान शर्मा की पहली फीचर फिल्म कबूतर में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। भारत, फ्रांस और नॉर्वे के संयुक्त निर्माण में बन रही इस फिल्म की शूटिंग 2027 की शुरुआत में दिल्ली में शुरू होगी। निर्माता निखिल चौधरी की कंपनी एमडीसी फिल्मवर्क्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में फ्रांस की हाइकु फिल्मस् और नॉर्वे की रीन फिल्म भी साझेदार हैं। रोहित सक्सेना भारतीय पक्ष से सह-निर्माता हैं।

पुरानी दिल्ली की जर्जर इमारतों और वहां की अनूठी दुनिया की पृष्ठभूमि पर आधारित कबूतर की कहानी महबूब नाम के एक सड़कछाप जागूस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो गायु रूप से जिन्न के नाम लिखे खत पढ़ता है और संभावित ग्राहक तलाशता है। इसी दौरान उसकी मुलाकात जापान से आई पर्यटक नाओको से होती है, जो अपने अतीत के दर्द से जूझ रही है। कहानी में रूबी नाम का एक बच्चा भी है, जो अपने माता-पिता की तलाश में है। निर्माता निखिल चौधरी ने कहा कि नवाजुद्दीन अपनी असाधारण अभिनय क्षमता और दिल्ली की गहरी समझ के कारण इस भूमिका के लिए उपयुक्त हैं। गैँस ऑफ वासेपुर, द लंचबॉक्स और मंटो जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से उन्होंने विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उनके और निर्देशक इशान शर्मा के लिए दिल्ली के प्रति प्रेम-पत्र की तरह है। निर्देशक इशान शर्मा ने कहा कि नवाजुद्दीन लेखकों और निर्देशकों की एक पूरी पीढ़ी के लिए प्रेरणा रहे हैं।

दमदार अभिनय और बुलंद आवाज से सनी देओल ने बनाई खास पहचान

दमदार अभिनय, बुलंद आवाज और आक्रामक संवाद अदायगी के लिए मशहूर सनी देओल ने अपने चार दशक से अधिक लंबे सिने करियर में एक्शन और देशभक्ति से भरपूर फिल्मों के जरिए दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है।19 अक्टूबर 1957 को जन्में सनी देओल को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता धर्मेन्द्र हिंदी फिल्मों के जाने माने अभिनेता थे। घर में फिल्मी माहौल रहने के कारण सनी अक्सर अपने पिता के साथ शूटिंग देखने जाया करते थे।इस वजह से उनका भी रुझान फिल्मों की ओर हो गया और वह भी अभिनेता बनने के खाबद देखने लगे। सनी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई से पूरी की। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के मशहूर ओल्ड बेव थियेटर में अभिनय की शिक्षा पूरी की। सनी ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत अपने पिता की निर्मित फिल्म बेताब से की। वर्ष 1983 में राहुल खैल के निर्देशन में युवा प्रेम कथा पर बनी यह फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुई।

फिल्म अजुन की सफलता के बाद सनी देवोल की छवि एंग्री यंग मैन स्तर के रूप में बन गई। इस फिल्म के बाद निर्माता निर्देशकों ने अधिकतर फिल्मों में सनी देओल की इसी छवि को भुनाया। इन फिल्मों में सलतनत,डकैत,यतीम, इंतकाम,पाप की दुनिया जैसी फिल्में शामिल हैं। वर्ष 1990 में प्रदर्शित फिल्म घायल सनी के सिने करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में शुमार की जाती है। फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिए सनी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार के साथ ही राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

वर्ष 1991 में प्रदर्शित फिल्म नरसिम्हा भी सनी के सिने करियर की सुपरहिट फिल्मों में शुमार की जाती है। एन. चंदा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल का किरदार पूरी तरह रो शेड्स लिए हुए था। इसके बावजूद वह दर्शकों की सहानुभूति पाने में कामयाब हुए और अपने दमदार



अभिनय से फिल्म को सुपरहिट बना दिया।

वर्ष 1993 में प्रदर्शित फिल्म दामिनी सनी के सिने करियर की एक और महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुई। यूं तो यह पूरी फिल्म अभिनेत्री मीनाक्षी शेपाद्री के इर्द गिर्द घूमती है लेकिन सनी ने अपनी विशिष्ट संवाद अदायगी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिए वह सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के राष्ट्रीय पुरस्कार और फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किये गए। वर्ष 1993 से वर्ष 1996 तक सनी देवोल के करियर के लिए बुरा वक्त साबित हुआ। इस दौरान उनकी कई फिल्में टिकट खिड़की पर कामयाब नहीं हो सकी। वर्ष 1997 में प्रदर्शित फिल्म बॉर्डर और जिद्दी की कामयाबी के बाद सनी फिल्म इंडस्ट्री में एक बार फिर अपनी खौई हुई पहचान पाने में कामयाब हो गए। बॉर्डर में उन्होंने महावीर चक्र विजेता मेजर

कुलदीप सिंह के किरदार में जान डाल दी थी।

वर्ष 1999 में सनी ने फिल्म दिल्ली के जरिए निर्माण और निर्देशन के क्षेत्र में भी कदम रख दिया। वर्ष 2001 में प्रदर्शित फिल्म गदर एक प्रेम कथा सनी देओल के सिने करियर की सर्वाधिक सुपरहिट साबित हुई। देश भक्ति के जबे से परिपूर्ण यह फिल्म दर्शकों को काफी पसंद की गई। साथ ही ऑल टाइम सुपरहिट फिल्म में शुमार हो गई। सनी ने अपने सिने करियर में अब तक 100 फिल्मों में अभिनय किया है। सनी देओल गुरदासपुर संसदीय सीट से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं। सनी आज भी उसी जोशोखरोशो के साथ फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय है। वर्ष 2023 में सनी देओल की फिल्म गदर 2 प्रदर्शित हुयी है। गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार 525 करोड़ का बॉक्स की है। इस वर्ष सनी देओल की फिल्म जाट प्रदर्शित हुयी जो हिट साबित हुयी। सनी देओल की आने वाली फिल्मों में रामायण प्रमुख है।

भूमि पेडनेकर ने दुबई में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक में लिया हिस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने दुबई में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की यंग ग्लोबल लीडर्स (वाईजीएल) की वार्षिक बैठक में हिस्सा लिया।भूमि पेडनेकर इस वर्ष वाईजीएल ग्रेजुएट के रूप में शामिल हुईं और अब 2024 बैच की एलुमनाई बन गई हैं। भूमि ने सोशल मीडिया पर बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए अपने अनुभव को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया को बेहतर बनाने के साझा उद्देश्य से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के बीच रहना उनके लिए खास अनुभव रहा। इस मंच से उन्हें नए विचारों, सहयोग के अवसरों और स्थायी दोस्तियों की प्रेरणा मिलती है। भूमि पेडनेकर ने कहा कि वाईजीएल का हिस्सा होना केवल एक कार्यक्रम से जुड़ना नहीं, बल्कि ऐसे समुदाय का हिस्सा बनना है, जहां लोग एक-दूसरे को आगे बढ़ने, बेहतर काम करने और लगातार सीखते रहने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का अनुभव उनके लिए इसलिए भी खास रहा, क्योंकि उन्होंने अपना ग्रेजुएशन पूरा कर लिया है और अब आधिकारिक तौर पर वाईजीएल एलुमनाई, क्लास ऑफ 2024 का हिस्सा बन गई हैं। भूमि ने कहा कि इस समुदाय से जुड़ाव, यहां से मिली सीख और लोगों के साथ बने रिश्ते आगे भी जारी रहेंगे। उनके अनुसार, यह मंच दूसरों के काम से प्रेरणा लेने, खुद को बेहतर बनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित करता है। भूमि पेडनेकर लैंगिक हिंसा और जलवायु संकट जैसे मुद्दों पर लगातार अपनी आवाज उठाती रही हैं। इसके अलावा, वह शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में भी काम कर रही हैं।

माता सिंह वाहिनी मंदिर के सामने विराजित मां दुर्गा

गुफा में विराजी आदिशक्ति, चहुंओर जयकारों की गूंज

नगर से गांव तक शक्ति की भक्ति में लीन श्रद्धालु

सिवनी (स्वतंत्र मत)।। मां आदिशक्ति की आराधना का पर्व शारदीय नवरात्र जिले में उत्साह से मनाया जा रहा है, देवी भक्त व्रत रखकर मातारानी की आराधना कर रहे हैं। बरघाट नगर के मूण्डापार सिविल लाइन मोहल्ले में आकर्षक पंडाल सजाया गया है, मां जगतजननी गुफा के अंदर विराजी है, देवी भक्त पूजा आराधना कर शक्ति की भक्ति में लीन है, पहाड़ों से होकर बनी गुफा में विराजी मां दुर्गा का भव्य पंडाल व आकर्षक सजावट देखने भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। शनिवार को पारंपरिक वेशभूषा में गरबा लोक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। शारदीय नवरात्र पर्व का उत्साह नगर से गांव देखा जा रहा है, मां जगतजननी की पूजा-आराधना में श्रद्धालु लीन है। शारदीय नवरात्र



के शुभ अवसर में समूचा बरघाट आस्था और भक्तिभाव में डूबा है। नगर के विभिन्न मोहल्ले में मां दुर्गा की आकर्षक प्रतिमा विराजी है। नवरात्र पावन पर्व के शुभ अवसर पर बरघाट नगर के सिविल अस्पताल के सामने 19 अक्टूबर 2026 दिन सोमवार को रात्रि 9

बजे से देवी जागरण का आयोजन रखा गया है। श्रीराम सत्संग एवं देवी जागरण बरघाट के तत्वाधान में भजन गाथिका जिज्ञासा सनोडिया एवं भजन गायक विलाश भाई बैतुल जिले का देवी जागरण रूप एवं सिवनी के भजन गायक नीरज सोनी के द्वारा देवी जागरण

की शानदार प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन समिति के द्वारा कार्यक्रम में अधिक संख्या पर पहुंचने की सभी से अपील की गई है।

मातारानी के जयकारों की गूंज

शारदीय नवरात्र पर्व का उत्साह नगर सहित ग्रामीण इलाकों में भी है, गांवों में मां जगतजननी के मनमोहक पंडाल सजाए गए हैं, दुर्गा पंडाल व माता मंदिर में सुबह से देर रात पूजा आराधना का दौर जारी है। बरघाट नगर के मुख्य मार्ग पर मूण्डापार सिविल लाइन, राजराजेश्वरी चौक, बस स्टैंड चौक, सुभाष चौक, कान्हीवाड़ा चौक, महाराणा प्रताप चौक, पटेल टोला,

सहित अन्य मोहल्ले में आकर्षक पंडाल में मां जगतजननी की मनमोहक प्रतिमा विराजी है। दुर्गा पंडाल और माता मंदिर में जस भजन, गरबा नृत्य, देवी जागरण सहित अन्य धार्मिक आयोजन हो रहे हैं।

प्राचीन मंदिर आष्टा में अष्टमी पूजन के लिए उमड़ी भीड़

रविवार को प्राचीन मंदिर आष्टा में अष्टमी पर्व मनाया गया, मां काली मंदिर में सुबह से देर रात तक हजारों श्रद्धालुओं ने अष्टमी पर्व पर मातारानी के दर्शन किए, दूरदराज से पहुंचे भक्ति ने मां काली के दरबार में माथा टेका और आरती पूजन कर मां काली को खीर पूड़ी का भोग लगाया गया। बरघाट नगर एवं गांवों में भी अष्टमी पूजन मनाने दुर्गा पंडाल व माता मंदिर में देर रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी, श्रद्धालुओं ने घरों से आरती थाल सजाकर मातारानी के दर्शन पूजन कर मां जगतजननी को खीर पूड़ी और मेवा मिष्ठान का भोग लगाया।

सिवनी (स्वतंत्र मत)।

ईश्वर नगर में दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में विगत 15 वर्षों से शारदीय नवरात्र में नव दिन माता की आराधना की जा रही है। प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी नवरात्र में ईश्वर नगर दुर्गा उत्सव समिति द्वारा माता रानी के दरबार में सहस्त्रार्चन, जस गायन, साँस्कृतिक कार्यक्रम एवं छप्पन भोग लगाया गया।

नवमी तिथि को हवन किया गया। जवारे विसर्जन के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें समिति सदस्यों का विशेष योगदान रहा। ईश्वर नगर महिला मंडल की सदस्य रमा त्रिपाठी, राजकुमारी जैन, कृतिका ठाकुर,



रागिनी अवधवाल, रिचा अग्रवाल, लीना काढ़े, प्रीति सराटे, शिखा अंजू, बघेल, श्यामकली काकोडिया, विजयलक्ष्मी बिसेन, चन्दकला नारनावरे आदि का विशेष योगदान रहा।

प्रो. रविशंकर नाग ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर शुभकामनाएं दी

सिवनी (स्वतंत्र मत)।। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रविशंकर नाग ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजन विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास और लोकतांत्रिक चेतना के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. लीडिया कुमरे ने सुशासन की अवधारणा एवं उसके विभिन्न आयामों की जानकारी दी। उन्होंने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली और लोकतांत्रिक व्यवस्था में सुशासन की भूमिका को स्पष्ट किया। इस अवसर पर प्रो. सविता मर्सीह, प्रो. मान सिंह बघेल एवं डॉ. रामकुमार नायक ने भी सुशासन से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री उमाशंकर वर्मा ने किया तथा अंत में श्रीमती रचना राय ने आभार व्यक्त किया।‘सुशासन सेवा संवाद’ का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सुशासन एवं उत्तरदायी शासन के प्रति समझ विकसित करना और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। सेवा संकल्प अभियान के समापन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली तथा सुशासन के महत्व को समझने का अवसर प्रदान किया।

कपड़े वाली सुई से लगाए टांके, तड़पता रहा मरीज



कटंगी (स्वतंत्र मत)। शासकीय अस्पताल कटंगी अपनी बदहाल व्यवस्थाओं और लापरवाह कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सिंगोड़ी में सड़क हादसे में घायल हुए मरीज के घाव पर सर्जिकल स्क्वэр नीडल की जगह कपड़े सीने वाली साधारण सुई से टांके लगा दिए गए। विरोध करने पर अस्पताल कर्मियों ने पीड़ित के परिजनों को धमकाते हुए कहा- जहां शिकायत करनी हैं वहां कर दो। मामले ने तूल पकड़ा तो शाम को क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी खुद अस्पताल पहुंचे और पूरे मामले का पर्दाफाश किया। उन्होंने स्टोर कीपर को मौके पर बुलाकर जमकर फटकार लगाई और अपनी जेब से 500 रुपए देकर तत्काल सर्जिकल नीडल मंगवाने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम करीब 8 बजे सिंगोड़ी के पास एक सड़क हादसा हुआ था। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों की पहचान राजू खरे, निवासी उमरी और गुरदयाल पटेल, निवासी बोपली के रूप में हुई है। दोनों को हादसे के बाद शासकीय अस्पताल कटंगी लाया गया था। अस्पताल में मौजूद ड्यूटी स्टाफ ने राजू खरे के शरीर पर लगे गहरे घाव

को देखा। घाव में लगातार खून बह रहा था और टांके लगाना जरूरी था, लेकिन जब ट्रे खोली गई तो उसमें स्टिचिंग नीडल ही नहीं थी। अस्पताल में मौजूद कर्मचारियों ने कोई वैकल्पिक व्यवस्था करने या वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देने के बजाय कपड़े सीने वाली मोटी सुई से ही राजू खरे के घाव पर टांके लगाने शुरू कर दिए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कपड़े सीने वाली सुई मोटी और बिना कर्ब की थी, जिससे टांका लगाते समय मरीज दर्द से बुरी तरह तड़प रहा था। घाव में सुई बार-बार अटक रही थी और मरीज की चीखें पूरे वार्ड में गूंज रही थीं। वहां मौजूद परिजनों और अन्य लोगों ने जब इसका विरोध किया और पूछा कि कपड़े सीने वाली सुई से टांका क्यों लगा रहे हो, तो ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों ने संवेदनहीनता की हद पार करते हुए कहा कि अस्पताल में यही है, वहां कर दो।क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने वार्ड में जाकर घायल मरीजों से मुलाकात की और पूरी स्थिति देखी तो उनका भी गुस्सा फूट पड़ा। विधायक ने तत्काल अस्पताल के स्टोर कीपर को फोन कर अस्पताल बुलाया। जब स्टोर कीपर अस्पताल पहुंचा तो विधायक ने उससे पूछा कि

अस्पताल में स्टिचिंग नीडल क्यों नहीं है। इस पर स्टोर कीपर ने सफाई देते हुए कहा कि उसके द्वारा एक महीने पहले ही जिला अस्पताल बालाघाट में सर्जिकल नीडल और अन्य स्क्वयर सामग्री के लिए डिमांड भेजी गई थी, लेकिन अब तक वहां से सप्लाई नहीं आई। इस पर विधायक ने सख्त लहजे में पूछा कि जब एक महीने से डिमांड के बाद भी सामान नहीं आया कि अभी आपने इस गंभीर कमी की जानकारी बीएमओ को दी?

विधायक ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता उनकी जिम्मेदारी है इसलिए उन्होंने अपनी जेब से 500 रुपए का नोट निकालकर स्टोर कीपर को दिया और कहा कि अभी इसी वक्त बाजार से या कहीं से भी सर्जिकल स्टिचिंग नीडल की व्यवस्था करो। घायल मरीज दर्द में है और आप लोग सिस्टम का रोना रो रहे हो। विधायक ने कहा कि यह लापरवाही बर्दाश्त के बाहर है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले को लेकर सीएमएचओ और बीएमओ से चर्चा करेंगे और दोषी स्टोर कीपर और उस समय ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ को नोटिस जारी करवाएंगे। कभी कभी हिलौली के लिए महिलाओं को रेफर कर दिया जाता है।स्टिचिंग नीडल जैसी बुनियादी चीज का न होना यह दर्शाता है कि अस्पताल प्रबंधन कितना लापरवाह है। जब स्टोर में एक महीने से नीडल नहीं है तो पिछले एक महीने में कितने मरीजों के साथ इसी तरह का खिलवा? किया गया होगा?

बनारस की गंगा आरती की तर्ज पर होगी महाआरती

सिवनी (स्वतंत्र मत)।। दशहरा मैदान में बनारस की गंगा आरती की तर्ज पर होगी महाआरती, शिवशक्ति आर्ट इंदौर के 20 कलाकारों द्वारा नृत्यनाटिका कृष्णलीला का मंचन और रंगबिरंगी आकाशीय आतिशबाजी के साथ श्री राम के अग्निबाण से बुराई के प्रतीक 51 फिट के रावण के पुतले का दहन होगा। नगर की सेवाभावी संस्था श्री रामदल समिति द्वारा दशहरा पर्व पर परंपरागत रूप से स्थानीय बड़ा मिशन स्कूल ग्राउंड में मंगलवार 20 अक्टूबर को शाम 06:30 बजे भव्यता के साथ अपने विभिन्न आयोजनों के साथ मनाया जावेगा।

रावण पहुंचा मैदान

नागपुर के कलाकारों द्वारा बुराई के प्रतीक दशानन रावण का पुतला 51 फिट ऊँचा निर्मित किया गया है, आज श्री रामदल समिति द्वारा रावण के इस पुतले को मैदान में खड़ा कर दिया गया है दशहरा के

दिन बुराई के प्रतीक इस रावण को आकर्षक रंगबिरंगी आकाशीय भव्य आतिशबाजी के साथ श्री राम-लक्ष्मण के अग्नि बाणों से रात्रि 09:30 बजे दहन किया जावेगा।

महाआरती से प्रारंभ होगा मुख्य समारोह

श्री रामदल समिति के संरक्षक मंडल के पदेन सदस्य विधायक दिनेश राय मुनमुन, नगरपालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया, जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक तथा नरेश दिवाकर, राजकुमार खुराना, शंकरलाल सोनी द्वारा दीप प्रज्वलन के उपरांत बनारस की गंगा आरती की तर्ज पर रवारीघाट में माँ नर्मदा की नित्य महाआरती करने वाले पाँच वैदिक ब्राह्मणों द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम प्रभु की पूजा अर्चना की जाकर महाआरती की जावेगी।

सती माई तालाब में तैरती मिली युवक की लाश

कटंगी(स्वतंत्र मत)। माँयल नगरी तिरोड़ी के सती माई तालाब में सोमवार 19 अक्टूबर को दोपहर करीब 3 बजे एक युवक की लाश तैरती हुई मिलने से सनसनी फैल गई। तालाब में लाश देखे जाने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस शाम करीब 4 बजे दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर

निकाला। मृतक की पहचान राहुल उर्फ बिट्टू पिता सुरेश शुक्ला, निवासी तिरोड़ी, उम्र 34 वर्ष के रूप में हुई है। पानी के भीतर मिले मृतक के शरीर पर केवल अंतर्वस्त्र ही थे। प्रारंभिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह आत्महत्या है या हादसा। परिजनों के अनुसार, युवक रविवार रात से घर से लापता था। घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएँ हैं। कुछ लोग इसे हादसा बता रहे हैं, तो कुछ

आत्महत्या की आशंका जता रहे हैं। हालांकि पुलिस ने अभी किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया है। पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल कटंगी भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

जिले के तीन हजार किसान पंजीयन से बाहर

वादा 31 सौ का था अब एमएसपी के भी लाले पड़े, औने पौने दाम में बिकेगी फसल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

एमपी के सबसे ज्यादा धान उत्पादक जिले में धान किसान परेशान हैं। दरअसल, किसानों का आरोप है कि उनकी फसल का उन्हें उचित दाम नहीं मिलता है। वहीं, दूसरी तरफ एमएसपी से खरीद के लिए कई किसान रजिस्ट्रेशन से भी चूक गए हैं। वहीं, सरकार ने दावा किया है कि 10 अक्टूबर तक जिले से 01 लाख 27 हजार 80 किसानों का पंजीकरण हो चुका है। वहीं, दूसरी तरफ किसान संगठनों ने दावा किया है कि अब हजारों किसानों का रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका है।

बीते साल 1 लाख 27 हजार 518 किसानों ने एमएसपी की धान खरीदी के लिए पंजीयन किया था। वहीं, साल 2024-25 में 1 लाख 30 हजार 810 किसानों ने धान उपार्जन के लिए पंजीयन करवाया था। यानी की बीते दो सालों के बीच 3730 किसानों का अंतर साफ दिख रहा है। ऐसे में कई सवाल खड़े होते हैं कि आखिरी हर साल किसान का पंजीयन कम क्यों हो रहा है. आखिर पंजीयन में क्या अड़चन आ रही है.

वादा 31 सौ का था...

बालाघाट के कुम्हारी के रहने वाले चंद्रकान्त रनगिरि ने बताया कि वह चार से पांच बार रजिस्ट्रेशन के लिए गए थे. अब औने-पौने दाम पर अपनी फसल व्यापारी को बेचना पड़ेगा. उसी गांव के दूसरे किसान चमन लिलहारे ने बताया कि कई बार



रजिस्ट्रेशन के लिए गए लेकिन कभी सर्वर कर्मस्था थी. गांव के कई ऐसे किसान हैं, जो इस समस्या से जूझ रहे हैं. किसानों का कहना है कि सरकार ने 31 सौ रुपए प्रति किंटल खरीदा का वादा किया था. लेकिन सरकार एमएसपी के लिए रजिस्ट्रेशन भी रोक रही है.

वह कारण जिससे छूटे कई किसान..

ऑनलाइन काम करने वाले संचालक ने बताया कि हर दिन 6 किसानों का रजिस्ट्रेशन के लिए फोन आता है. वह यह भी पूछते हैं कि क्या फिर से रजिस्ट्रेशन के लिए फिर से पोर्टल खुलेगा. कर्मचारियों की हड़ताल थी. ऐसे

में किसानों को इसकी जानकारी ही नहीं मिल सकी की पोर्टल शुरू हुआ है. ऐसे में जब किसानों

इनका कहना हैं

पटवारी और कर्मचारियों की नाकामी है. वह अपना बुनियादी काम ठीक से नहीं करते हैं, इसलिए प्रोसेस छूट जाता है. कई लोगों की फार्म आईडी नहीं बनी है. वहीं, गिरदावरी में खसरा नंबर नहीं चढ़ाते हैं. 10 साल से सोसायटियों में चुनाव नहीं हुए हैं. चुनाव होते तो समिती के सदस्य किसान ही कर्मचारियों पर दबाव भी बनाया जाता था. लेकिन अब समिति के नहीं होने से अफसर ही बेलगाम हो गए हैं.

संतलाल उपवंशी, किसान

अब हजारों किसान का रजिस्ट्रेशन अटका हुआ है. एमएसपी किसानों का बुनियादी अधिकार है. लेकिन सरकार ने उन्हें कई सरकारी प्रोसेस में अटका कर उनका रजिस्ट्रेशन ही नहीं होने दिया. ऐसे में बालाघाट कलेक्टर से पत्राचार कर रजिस्ट्रेशन की तारीख आगे बढ़ाने की मांग की थी. अब सरकार रजिस्ट्रेशन के लिए फिर से पोर्टल नहीं खोलेगी, तो किसान गर्जना संगठन के बैनर तले रेल रोको आंदोलन किया जाएगा.

अरविंद चौधरी

अगर किसान छूटे हैं और उनके छूटने का सही कारण पाया जाएगा. तो उनके लिए शासन के निर्देशानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.

आदित्य सिंह कलेक्टर, बालाघाट



जिला कार्यक्रम अधिकारी ने किया खुला आश्रय गृह का औचक निरीक्षण, बच्चों के सर्वांगीण विकास पर दिया जोर

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी डी.के. सुंदियाल ने सोमवार को खुला आश्रय गृह का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गृह की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा एवं कौशल विकास को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्री सुंदियाल ने उपस्थित कर्मचारियों से उनके कार्यदायित्वों की जानकारी ली तथा आउटरीच वर्कर के रूर प्लान का अवलोकन किया। उन्होंने संस्था में स्थापित सीसीटीवी कैमरों, बच्चों की उपस्थिति पंजी एवं अन्य अभिलेखों की जांच की। साथ ही शिक्षा कक्ष, मनोरंजन कक्ष और रसोई कक्ष का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के समय गृह में तीन कर्मचारी उपस्थित पाए गए। जिला कार्यक्रम अधिकारी डी.के. सुंदियाल ने गृह की रंगाई-पुताई कराने, प्रत्येक बच्चे की विस्तृत प्रोफाइल तैयार करने तथा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने आउटरीच वर्कर को क्षेत्र में गहन सर्वेक्षण कर जरूरतमंद, बेसहारा एवं संकटग्रस्त बच्चों को चिन्होंकित करने और पात्र बच्चों को खुला आश्रय गृह में प्रवेश दिलाकर शिक्षा एवं कौशल विकास की गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए। खुला आश्रय गृह का मुख्य उद्देश्य देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को अल्पकालिक आवासीय सहायता, भोजन और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है।

कार्यालय ग्राम पंचायत कुर्ई जनापद पंचायत कुर्ई जिला सिवनी म.प्र.	
क्रमांक/111/नीलामी/2026	कुर्ई दिनांक 17/10/2026
शॉपिंग कॉम्प्लेक्स नीलामी सूचना	
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कुर्ई के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बाजार चौक कुर्ई सराय की 12 दुकानों की नीलामी मध्यप्रदेश पंचायतराज अधिनियम 1993 की धारा 65 के अंतर्गत म090 पंचायत (स्थायर संपत्ति अंतरण) नियम 1994 के तहत बने नियमों के अनुसार 29/10/2026 दिन गुरुवार को समय 12.00 बजे जनपद पंचायत कुर्ई सभा कक्ष में की जायेगी।	
अतः इच्छुक बोलीदार 500.00 (पांच सौ रुपये) में ग्राम पंचायत कुर्ई से आवेदन प्राप्त कर दिनांक 08/10/2026 से दिनांक 28/10/2026 तक कार्यालय ग्राम पंचायत कुर्ई में एवं 29/10/2026 को नीलमी स्थल जनपद सभा कक्ष में प्राप्त. समय 10.00 बजे से 12.00 बजे तक आवेदन के साथ दुकानों की निर्धारित अमानत राशि नगद जमा कर बोली लगा सकते हैं निर्धारित समयवाधि के बाद अमानत राशि स्वीकार नहीं की जायेगी। दुकानों की नीलामी निर्धारित आरक्षण प्रक्रिया, आफस्टेट प्राइस एवं नियम व शर्त कार्यालय ग्राम पंचायत कुर्ई में देखी जा सकती है विस्तृत विज्ञापन व शर्त 50/- पचास रुपये जमा कर ग्राम पंचायत से प्राप्त	
Secretary ग्राम पंचायत कुर्ई Rural District Seoni (M.P.)	



प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि में मनाया गया नवरात्रि महोत्सव

केंद्र की संचालिका राजयोगिनी भगवती दीदी ने राजयोग ध्यान के माध्यम से आध्यात्मिक रहस्यों की दी जानकारी

कटनी (स्वतंत्रमत)।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र गोपाल नगर कटनी में नवरात्रि महोत्सव मनाया गया। चैतन्य देवियों की झांकी रखी गई। कार्यक्रम की शुरुआत देवियों की आरती करके की गई। इसके तत्पश्चात सेवा केंद्र की संचालिका राजयोगिनी भगवती दीदी ने राजयोग ध्यान के माध्यम से नवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि

नवरात्रि केवल देवी आराधना और उत्सव का पर्व नहीं, बल्कि जीवन से बुराइयों को दूर कर आंतरिक शक्तियों को जागृत करने का अवसर है। अंदर की भी छुपी हुई शक्तियां जागृत करने का भी संदेश है। ब्रह्मा कुमारी- आध्यात्मिक दृष्टिकोण के अनुसार मां दुर्गा के नौ स्वरूप नारी शक्ति, पवित्रता एसाहस ऐश्वर्य, प्रेम और आत्मा जैसे दिव्य गुण की प्रेरणा देते हैं। आज आवश्यकता केवल देवी की मूर्ति के सामने दीप जलाने की नहीं बल्कि अपने मन में ज्ञान का दीप जलाने की है जब हम अपने अंदर के क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या द्वेष नकारात्मक विचारों पर विजय प्राप्त करते हैं तभी सच्चे अर्थों में शक्ति की उपार्जना करते हैं। इसी बीच ब्रह्माकुमारी करिश्मा बहन ने मां जगत जननी जगदंबा देवी स्वरूपा के नौ दिन का आध्यात्मिक रहस्य

बताया।

नवरात्रि का आध्यात्मिक संदेश दिया

मां दुर्गा का स्वरूप हमें बुराइयों पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। मां सरस्वती का स्वरूप ज्ञान और विवेक का प्रतीक है। मां लक्ष्मी का स्वरूप सुख समृद्धि और संतुष्टि की प्रेरणा देता है। देवी मां का नौ स्वरूपों का नौ दिन यह पर्व हमें याद दिलाता है की सच्ची भक्ति बाहरी प्रदर्शन में नहीं बल्कि आत्मा की पवित्रता मन की शांति और श्रेष्ठ कर्मों में निहित है। इसके पश्चात सभी उपस्थित श्रद्धालु गण बड़े ही धूमधाम से डांडिया नृत्य करके मनाया। उसके बाद ब्रह्माकुमारी अभिलाष बहन ने परमात्मा शिव की याद और मेडिटेशन के अभ्यास से अपने मूल गुण शांति प्रेम पवित्रता और शक्ति

का अनुभव कराया और सभी से संकल्प कराया कि केवल देवी की आराधना ही नहीं करेंगे बल्कि अपने जीवन को भी दिव्य गुना से सजाएंगे। मन के विकारों पर ही विजय प्राप्त करना ही सच्चा जागरण है आत्म दीप चलाएँ जीवन को दिव्य बनाएँ। इस कार्यक्रम में बीना गुप्ता, रेनु बजाज, मोना पटेल, सर्जन पांडे, पल्लवी पटेल, महक पटेल, राधा पांडे, सुधा तिवारी, हेम सिंह, सरिता कोल, बलराम कोल, तुलसा राय, श्याम गुप्ता, ममता सोनी, दिशा, सोनी रेखा यादव, रोशनी यादव, प्रियंका, आरजु कोल, अनिल सिंह, प्रिया सिंह, प्रसून तिवारी, मिस्त्री तिवारी, लाला सिंह, रेशम यादव, राधा दुब, संगीता असाटी, गुलाब प्रजापति, सीमा प्रजापति, आदि शामिल रहे। तथा अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

एक दर्जन से अधिक लोगों के मोबाइल पार

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शारदीय नवरात्रि की महा अष्टमी में माता रानी के दर्शनों को एक तरफ श्रद्धालुओं की भीड़ सड़कों पर उमड़ी है तो दूसरी ओर जहां सुरक्षा को लेकर पुलिस बल तैनात है वही मोबाइल और पर्स पार कर बदमाश हाथ साफ कर रहे हैं। सुभाष चौक में जहां आधा दर्जन से अधिक लोगों के मोबाइल पार किए हैं तो वहीं केंद्रीय विद्यालय सहित अन्य स्थान जहां पर भीड़ थम रही है, वहां पर गिरोह अपना हाथ साफ कर रहे हैं। शहर में जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया है लेकिन पुलिस की दहशत के बिना गिरोह मोबाइल पर्स आदि पार करने में बदमाश पीछे नहीं हट रहे हैं। मोबाइल चोरी की घटना सबसे अधिक सुभाष चौक में हुई है, पिछले दो से तीन घंटे के अंदर आधा दर्जन से अधिक मोबाइल चोरी हुए हैं। सुभाष चौक में चारों ओर की भीड़ एकत्र हो रही है और दर्शनों के लिए भीड़ के थमते ही बदमाश हाथ साफ कर रहे हैं।

फोटो : विकास गुप्ता

अष्टमी पर मां दुर्गा की महाआरती में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

कटनी (स्वतंत्रमत)। शारदेय नवरात्र की अष्टमी पर मां जगत जननी के दर्शन और पूजन के लिए जिलेभर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। शहर के हृदय स्थल सुभाष चौक पर पार्षद अवकाश जायसवाल एवं उनकी मित्र मंडली द्वारा स्थापित मां दुर्गा के भव्य पंडाल में महाआरती का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व मंत्री एवं विधायक संजय सत्येंद्र पाठक शामिल हुए। उन्होंने मां दुर्गा की विधि-विधान से महाआरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महाआरती के दौरान पंडाल में भक्तिमय वातावरण बना रहा। मां के जयकारों और आरती के स्वर से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। इस धार्मिक आयोजन में शहर के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर मां दुर्गा के दर्शन किए और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने समस्त शहरवासियों एवं देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए मां जगत जननी से सभी के कल्याण की प्रार्थना की। उन्होंने पार्षद अवकाश जायसवाल एवं उनकी मित्र मंडली द्वारा नवरात्र के अवसर पर किए जा रहे धार्मिक आयोजन की सराहना की। शारदेय नवरात्र के पावन पर्व पर शहर में जगह-जगह आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों के बीच मां दुर्गा की आराधना में श्रद्धालु पूरी आस्था और उत्साह के साथ जुटे हुए हैं।

विजयादशमी पर झिंझरी पुलिस लाइन में होगा शस्त्र पूजन कार्यक्रम

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल होंगे मुख्य अतिथि, शौर्य, साहस और राष्ट्र रक्षा के संकल्प का प्रतीक है शस्त्र पूजन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

विजयादशमी पर्व के अवसर पर मंगलवार, 20 अक्टूबर को कटनी के झिंझरी स्थित पुलिस लाइन में शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राज्य शासन के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। विजयादशमी पर शस्त्र पूजन भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय के साथ शक्ति, साहस, कर्तव्यनिष्ठा तथा धर्म की रक्षा का संदेश देता है। शस्त्र पूजन के माध्यम से अन्याय के विरुद्ध खड़े होनेए आत्मरक्षा और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति संकल्प व्यक्त किया जाता है।

शौर्य और परंपरा से जुड़ा है शस्त्र पूजन

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय प्राप्त करने से पहले अस्त्र-शस्त्रों की पूजा की थी। इसी परंपरा से प्रेरित होकर विजयादशमी

पर शस्त्र पूजन किया जाता है। भारतीय सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों में भी यह परंपरा शौर्य, अनुशासन, कर्तव्यपरायणता और राष्ट्र रक्षा के प्रति समर्पण की भावना को अभिव्यक्त करती है। शस्त्र पूजन का उद्देश्य शस्त्रों की शक्ति का सदुपयोग करते हुए समाज में शांति, सुरक्षा और न्याय की स्थापना के संकल्प को मजबूत करना है। यह परंपरा संदेश देती है कि शक्ति का उपयोग सदैव धर्म, सत्य, न्याय और निर्दोषों की रक्षा के लिए किया जाना चाहिए।

राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति सम्मान का प्रतीक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शस्त्र पूजन देश की सैन्य शक्ति, सुरक्षा और स्वतंत्रता के प्रति सम्मान का प्रतीक है। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम राष्ट्र की रक्षा में समर्पित सुरक्षा बलों के शौर्य, पराक्रम और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर भी है।

कटनी (स्वतंत्रमत)। देश की 41 आर्युध निर्माणियों के रक्षा अर्सेनिक कर्मचारियों में से 99.51 प्रतिशत ने सात रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) में स्थायी रूप से विलय होने के बजाय सेवानिवृत्ति तक केंद्र सरकार के कर्मचारी बने रहने का विकल्प चुना है। ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉइज फेडरेशन (एआईडीईएफ) ने इसे आयुध निर्माणियों के निगमितीकरण के खिलाफ कर्मचारियों का ऐतिहासिक फैसला बताते हुए, केंद्र सरकार से इस नीति पर पुनर्विचार करने और आयुध निर्माणी बोर्ड को पुनः सरकारी विभाग के रूप में बहाल करने की मांग की है। एआईडीईएफ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं मजदूर संघ अध्यक्ष शिव पाण्डेय द्वारा जारी प्रेस वक्त्रिप्त के अनुसार सरकार ने 15 जून 2026 को कर्मचारियों को सात डीपीएसयू में प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए केंद्र सरकार की सेवा में बने रहने अथवा संबंधित निगमों में स्थायी रूप से समाहित होने का विकल्प देने संबंधी

अधिसूचना जारी की थी। यह कदम मद्रास हाईकोर्ट में सरकार की ओर से दिए गए आश्वासन और 29 जुलाई 2024 को आए फैसले के बाद उठाया गया। शिव पाण्डेय ने बताया किए विकल्प चुनने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2026 तक कुल 59,308 कर्मचारियों में से 59,033 ने केंद्र सरकार की सेवा में बने रहने का विकल्प दिया। वहीं, केवल 123 कर्मचारियों ने सात डीपीएसयू में स्थायी समायोजन का विकल्प चुनाए जबकि 92 कर्मचारियों ने विभिन्न कारणों से कोई विकल्प नहीं दिया। फेडरेशन का कहना है कि, ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं किए कर्मचारियों का भारी बहुमत निगमों में स्थायी विलय के पक्ष में नहीं है। संगठन ने इसे निगमीकरण की नीति के प्रति कर्मचारियों के अविश्वास और सरकारी सेवा की मौजूदा स्थिति को बनाए रखने की उनकी इच्छा का संकेत बताया है। गौरतलब है कि, केंद्र सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान 224 वर्ष पुरानी आयुध निर्माणी व्यवस्था को सात



रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों में विभाजित करने का निर्णय लिया था। फेडरेशन के अनुसार, यह फैसला कर्मचारियों के संगठन को दिए गए पूर्व लिखित आश्वासन के विपरीत और एकतरफा तरीके से लिया गया था। एआईडीईएफ ने इस निर्णय को मद्रास हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। संगठन के अनुसारए सुनवाई के दौरान रक्षा मंत्रालय ने अपने जवाबी हलफनामे में स्पष्ट किया था किए कर्मचारी नए निगमों में प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए केंद्र सरकार के कर्मचारी बने रहेंगेए जब तक वे स्वयं स्थायी विलय का विकल्प नहीं

चुनते। एआईडीईएफ ने सरकार से आयुध निर्माणी बोर्ड बहाल करने की मांग करते हुए, कर्मचारियों के फैसले को निगमितीकरण के खिलाफ स्पष्ट संदेश बताते हुए केंद्र सरकार से कर्मचारियों की इच्छा का सम्मान करने की अपील की है। साथ ही निगमीकरण की व्यवस्था को वापस लेकर आयुध निर्माणी बोर्ड को पर्याप्त अधिकारों और बजटीय सहायता के साथ पुनः सरकारी विभाग के रूप में स्थापित किया जाए। एआईडीईएफ का कहना है कि, आयुध निर्माणियां देश की रक्षा तैयारियों का महत्वपूर्ण आधार हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा के

लिहाज से इनकी भूमिका बेहद अहम है। संगठन ने यह भी मांग की है किए अनुकंपा नियुक्तियों पर लगी रोक हटाई जाए तथा कर्मचारियों की लंबित मांगों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। आयुध निर्माणी कटनी में मजदूर संघ के राजेश दुबे, नरेंद्र पटेल, देवेंद्र पाहोए सादिक राहा, राकेश मिश्रा, विजय सिंह, अजय प्रोहा, संजय तिवारी, जितेंद्र सिंह, मनीष तिवारी, आनंद पाण्डेय, कर्मु कुमार चौंसी, राजेश द्विवेदी, इंद्र भूषण, महेंद्र यादव, के लक्ष्मण, शरद धुर्वे, महेश प्रसाद, सतीश मांगर, दुर्गेश सिंह, राजेश कुशवाहा, संजीव सिंह, नंदकिशोर राय, विकास नीलकंठ, जंग बहादुर, संतोष दिग्वी, अतुल नायक, अनंत चरण मुर्मू, मोहब्बत सिंह, प्रविण विश्वकर्मा, शरद यादव, रुखमणि, गीता, माया, आदि ने रक्षा अर्सेनिक कर्मचारियों को इस फैसले के लिए बधाई देते हुए सरकार से कर्मचारियों की भावना को समझने और उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।

दिनदहाड़े करीब 10 लाख की चोरी, आखिर बेखौफ कैसे हुए चोर

कोतवाली थाना क्षेत्र के निमिया मोहल्ला में वारदात गृहस्वामी लौटे तो दूटे मिले घर और अलमारियों के ताल

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के कोतवाली थाना अंतर्गत निमिया मोहल्ला में चोरों ने दिनदहाड़े एक सुने मकान को निशाना बनाकर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के सामने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। दोपहर करीब 12:30 से 1:30 बजे के बीच हुई चोरी की इस वारदात में सोने-चांदी के जेवरत और नकदी सहित

करीब 10 लाख रुपये की संपत्ति चोरी होने की जानकारी सामने आई है। घर के मुख्य द्वार से लेकर अंदर के कमरों और अलमारियों तक के ताले टूटे मिले, जबकि सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि शहर के रिहायशी इलाके में दिनदहाड़े चोरों ने इतनी बड़ी वारदात को अंजाम कैसे दे दिया।

कन्या भोज के बाद दर्शन करने गए थे गृहस्वामी-जानकारी के अनुसार, निमिया मोहल्ला निवासी रबेश कुमार नेमा के घर सोमवार को कन्या भोज का आयोजन किया गया

था। इसके बाद वे दोपहर करीब 12:15 बजे जालपा मढ़िया में प्रसाद चढ़ाने और दर्शन करने के लिए घर से निकले थे। बताया जाता है कि जब वे दोपहर करीब 1:30 बजे वापस लौटेए तो घर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। मकान के मुख्य दरवाजे सहित अंदर के कमरों और अलमारियों के ताले टूटे हुए थे। घर का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरत तथा नकदी गायब थी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, चोरी गई संपत्ति की कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है। हालांकि, चोरी गए सामान और



वास्तविक नुकसान का विस्तृत आकलन जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

डायल 112 को दी सूचना, पुलिस ने शुरू की जांच-घटना का पता चलते ही गृहस्वामी ने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए जांच-पड़ताल शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी सामने आने की जानकारी है। बताया जा रहा है कि फुटेज में कुछ संदिग्ध व्यक्ति घटना को अंजाम देने की नीयत से मकान के आसपास नजर आ रहे हैं। इनकी गतिविधियों और

पहचान की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। अब पुलिस के सामने चोरों की पहचान करने, वारदात में शामिल लोगों तक पहुंचने और चोरी गए जेवरत व नकदी बरामद करने की चुनौती है।

दिनदहाड़े चोरी, आखिर कितनी सुरक्षित हैं शहर की कॉलोनियां-इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दोपहर के समय, जब लोग अपने रोजमर्रा के कामों में व्यस्त रहते हैं, तब किसी रिहायशी इलाके में घर के ताले तोड़कर लाखों की चोरी हो जाना चिंता का विषय है। महज एक घंटे से

कुछ अधिक समय के लिए घर से बाहर गए परिवार को इतनी बड़ी वारदात का सामना करना पड़ा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या चोरों ने पहले मकान की रेको की थी क्या उन्हें गृहस्वामी के घर से निकलने की जानकारी थी क्या आसपास संदिग्धों की गतिविधियों पर किसी की नजर नहीं पड़ी। इन सवालों के जवाब पुलिस जांच के बाद ही सामने आएंगे। निमिया मोहल्ला की इस वारदात ने स्थानीय नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है। अब लोगों की निगाहें पुलिस की जांच पर टिकी हैं। सीसीटीवी फुटेज से संदिग्धों की पहचान हो सकेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. रादव ने ग्वालियर में हुई दुर्घटना पर लिया सख्त एक्शन

सीएसपी को तत्काल हटाने और 8 पुलिसकर्मियों को निलंबित करने के निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार-रविवार की दरमियानी रात ग्वालियर के शीतला माता मंदिर के पास हुई दुर्घटना में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए सख्त एक्शन लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घटना की विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं, ताकि जिम्मेदारी तय कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ है। प्रदेश के सभी नागरिकों की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीएसपी को तत्काल हटाने तथा 3 थाना प्रभारियों, एक यातायात निरीक्षक, एक प्रधान आरक्षक एवं 3 आरक्षकों सहित कुल 8 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। जनसुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।



कलेक्टर, एसपी और निगमायुक्त ने किया दुर्गा प्रतिमा विसर्जन

मांगों का निरीक्षण कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर आशीष तिवारी ने रविवार शाम कटनी शहर में पैदल भ्रमण कर 20 अक्टूबर को होने वाले दुर्गा प्रतिमा विसर्जन चल समारोह की तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन रोड स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर से सुभाष चौक, झंडा बाजार, सुखन चौराए, लक्ष्मी नारायण मंदिरए शेर चौक, आजाद चौक और आजाद चौक से गाटर घाट विसर्जन कुण्ड मार्ग का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

सृजन पुनर्मिलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सामुदायिक पुलिसिंग सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत जन-जागरूकता एवं फोडबैक कार्यक्रम का आयोजन मानव जीवन विकास समिति बिजौरी, जिला कटनी ने पुलिस विभाग कटनी की सहभागिता से सृजन पुनर्मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डीजी सर एवं डीआईजी विनीत कपूर के मार्गदर्शन में पूरे मध्य प्रदेश में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में मानव जीवन विकास समिति सचिव निबंध सिंह तथा पुलिस विभाग की ओर से आरक्षक विकास शर्मा एवं राहुल सिंह, हाई स्कूल बिजौरी के शिक्षक और बच्चे सहित समिति स्टॉफ को

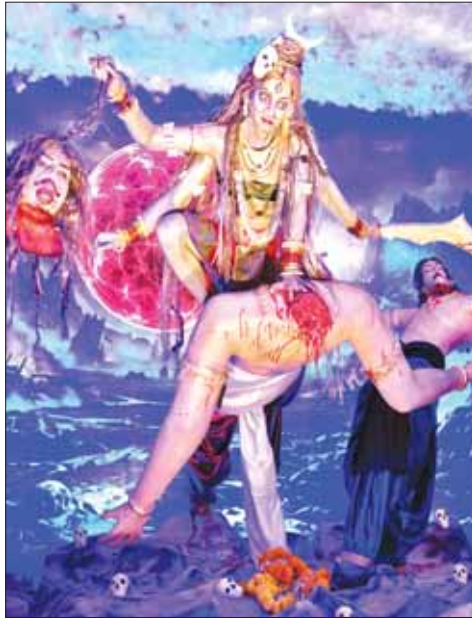
उपस्थिती रही। कार्यक्रम के दौरान आरक्षक विकास शर्मा ने उपस्थित लोगों को सृजन कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं उसकी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सृजन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अपराध की जड़ तक पहुंचकर उसे पनपने से पहले रोकना और समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि यदि 13 से 19 वर्ष आयु के ऐसे किशोरों एवं युवाओं से समय रहते संपर्क स्थापित किया जाए, जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया है या जो झुग्गी-बस्तियों में रहते हैं, तो उन्हें शिक्षा, सकारात्मक गतिविधियों एवं सामाजिक सहयोग से जोड़कर अपराध की ओर बढ़ने से रोका जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित



लोगों को सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों तथा अपराध नियंत्रण के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही, भोपाल एवं इंदौर में महिला संबंधी अपराधों और घरेलू हिंसा में लगभग 30 प्रतिशत कमी आने संबंधी जानकारी भी साझा की गई।

पिछले वर्ष सृजन कार्यक्रम में शामिल हुए प्रतिभागियों से फीडबैक लिया गया। उपस्थित पूर्व सृजन कार्यक्रम में शामिल रहे बच्चों से यह जानने का प्रयास किया गया कि पिछले एक वर्ष में उनके जीवन, सोच, व्यवहार एवं सामाजिक सहभागिता में क्या

बदलाव आए हैं तथा कार्यक्रम से उन्हें किस प्रकार लाभ मिला है। इस संवाद के माध्यम से यह समझने का प्रयास किया गया कि सृजन कार्यक्रम की गतिविधियाँ किस प्रकार प्रभावी सिद्ध हो रही हैं और भविष्य में उन्हें और अधिक उपयोगी कैसे बनाया जा सकता है। समिति सचिव निबंध सिंह द्वारा बताया गया कि सृजन कार्यक्रम के माध्यम से अपराधों की रोकथाम, साइबर अपराधों के प्रति सतर्कता, महिला सुरक्षा तथा सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया गया। सृजन कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है- समय रहते लोगों से जुड़ना, उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाना और अपराध को जड़ से समाप्त करने की दिशा में प्रभावी प्रयास करना।



बाल एकता दुर्गा उत्सव समिति



मां वैष्णव देवी दुर्गा उत्सव समिति गांधीग्राम



पीजे 14 दुर्गा उत्सव समिति



सिद्ध दुर्गा उत्सव समिति गली नं. 9 सदर



सिहोरा ग्राम बरगी में विराजमान मातारानी

पैरा एशियन गेम्स : भारत को 4 गोल्ड सहित 11 मेडल



जैवलिन में रिकू-अजीत, दौड़ में सौम्या-राधा और शूटिंग में मोना-अवनी ने गोल्ड-सिल्वर दोनों दिलाया

नई दिल्ली।
एशियन पैरा गेम्स में भारत ने पहले दिन भारत ने 4 गोल्ड सहित 11 मेडल अपने नाम किए।

जीता। इंडोनेशिया के रिजाल बागुस सक्तियोनो ने 55.30 मीटर का पर्सनल बेस्ट श्रो कर ब्रॉन्ज मेडल जीता।एशियन पैरा गेम्स में भारत की सौम्या ने महिलाओं की 1500 मीटर टी12/टी13 रेस में गोल्ड मेडल जीता। गाइड भारत कुमार के साथ दौड़ते हुए उन्होंने 5 मिनट

निशाद कुमार ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में गोल्ड जीता

एशियन पैरा गेम्स में भारत के निशाद कुमार ने पुरुषों के लॉन्ग जंप टी47 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में 7.11 मीटर की छलांग लगाई। निशाद ने यह दूरी दो बार हासिल की। उज्बेकिस्तान के ओमादवेक खासानोव ने 6.99 मीटर की सीजन बेस्ट छलांग के साथ सिल्वर, जबकि श्रीलंका के मोहम्मद सफरान ने 6.55 मीटर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

मोना अग्रवाल ने 250 अंक, अवनी लेखरा ने 249.6 अंक हासिल किए

पैरा एशियन गेम्स में मोना ने गोल्ड और अवनी ने सिल्वर जीता। ये दोनों मेडल आर 2 विमेंस 10 मीटर राइफल शूटिंग की एसएच1 कैटेगरी में आए। इसमें कमर से नीचे की दिव्यांगता वाले शूटर हिस्सा लेते हैं। मोना ने 250.0 अंक और अवनी ने 249.6 अंक हासिल किए। कोरिया की युनरी ली ने 227.9 अंक के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

चिन्मय सुतार ने ऐतिहासिक नाबाद 400 रन बनाए

सरफराज और पाटीदार ने शतक जड़े

दीमापुर। चिन्मय सुतार रणजी ट्रॉफी के इतिहास में चौहरा शतक (नाबाद 400 रन) लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। नागालैंड के खिलाफ मिजोरम के कुल 581 रनों में से 400 रन उनके बल्ले से आए। जब नौवां विकेट गिरा, तब सुतार 231 रन पर खेल रहे थे। इसके बाद उन्होंने लालरैमपुइया छकछुआक के साथ मिलकर दसवें विकेट के लिए 199 रनों की अटूट साझेदारी की और एक शानदार मुकाम हासिल किया। आयुष बदोनी ने 246 गेंदों पर शानदार 217 रन बनाए, जिससे दिल्ली ने गुजरात के खिलाफ 648 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया और अपनी पारी घोषित कर दी। सुमित माथुर और अनुज रावत ने भी महत्वपूर्ण अर्धशतक लगाए। करण लांबा और सचिन यादव दोनों ने 194-194 रनों की पारी खेली। उन्होंने तीसरे विकेट के लिए 338 रनों की साझेदारी की, लेकिन इसके बाद राजस्थान की टीम लड़खड़ा गई और रेलवे के खिलाफ 497 रनों



पर सिमट गई। सरफराज खान के 18वें फस्ट-क्लास शतक की बदौलत मुंबई ने हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 258 रनों की बढ़त बना ली। मुशीर खान, आकाश आनंद और सिद्धेश लाड ने अर्धशतक लगाए - हालांकि सिद्धेश लाड एक बार फिर 80 के स्कोर के आसपास आउट हो गए। निशांत सिंधु के 92 और यशवर्धन दलाल के 95 रनों की मदद से हरियाणा ने चंडीगढ़ पर 142 रनों की बढ़त बनाई और बाद में रोहतक में एक पारी से जीत दर्ज की। सलील अरोड़ा ने लगातार दूसरा शतक जड़ा, जबकि उदय सहारन 161 रन बनाकर आउट हुए। इन दोनों की शानदार पारियों की बदौलत पंजाब ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ 456 रनों का स्कोर खड़ा किया। रविकुमार समर्थ के 143 रनों ने न केवल विदर्भ की मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला, बल्कि जम्मू-कश्मीर के खिलाफ उन्हें बढ़त भी दिला दी। 9वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए रजनीश गुरबानी ने नाबाद 64 रन बनाए। प्रदोष रंजन पॉल के 136 रनों की मदद से तमिलनाडु ने चेन्नई में उत्तराखंड के खिलाफ बढ़त हासिल कर ली। बाबा इंद्रजीत ने भी 77 रनों की जुशार पारी खेलकर उनका बखूबी साथ दिया।

साउथ कोरिया की आन सी-यंग ने जीता डेनमार्क ओपन

यह 47वां खिताब, सबसे ज्यादा बैडमिंटन टाइटल जीतने वाली महिला खिलाड़ी

नई दिल्ली। साउथ कोरिया की आन सी-यंग ने बैडमिंटन के विमेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा टाइटल जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने रविवार को डेनमार्क ओपन के फाइनल में जापान की अकाने यामागुची को 21-23, 21-14, 21-18 से हराया। डेनमार्क के ओडेंस शहर में मिली इस जीत के साथ सी-यंग के इंटरनेशनल टाइटल की संख्या 47 हो गई। उन्होंने इंडोनेशिया की दिग्गज सुसी सुसुती (46 टाइटल) के 29 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने इसकी पुष्टि की। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन के रिकॉर्ड 1989 से रखे



जा रहे हैं और इनमें रीजनल टूर्नामेंट में जीते खिताब शामिल नहीं हैं। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने 24 साल की एन सी-यंग को ऑल टाइम ग्रेट बताया।

पहले दौर में सिंधु और लक्ष्य के सामने कड़ी चुनौती नयी दिल्ली

नयी दिल्ली। भारत के प्रमुख बैडमिंटन खिलाड़ी, जिनमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु और पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन शामिल हैं, मंगलवार से पेरिस में शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में अपनी फॉर्म वापस पाने का प्रयास करेंगे। 9,50,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों के पास हाल के मिले-जुले नतीजों के बाद वापसी करने का मौका है। सिंधु को पहले दौर में दक्षिण कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर वन खिलाड़ी एन से यंग के खिलाफ चुनौती का सामना करना है।

प्रज्ञान ओझा बीसीसीआई चीफ सिलेक्टर बने

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा को अर्जित अगरकर की जगह ऋष्टदु का चीफ सिलेक्टर बनाया गया है। अगरकर का कार्यकाल 4 अक्टूबर 2026 को खत्म हुआ था। वहीं, सिलेक्शन कमेटी में अगरकर की जगह पूर्व भारतीय स्पिनर रमेश पोवार को शामिल किया गया है। अब पुरुष टीम की नई चयन समिति में प्रज्ञान ओझा (चेयरमैन), शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार हैं। रमेश पोवार ने भारत के लिए 2 टेस्ट और 31 वनडे खेले। वह मुंबई के पूर्व भारतीय स्पिनर हैं। उन्होंने 2004 से 2007 के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला और 10



नवंबर 2015 को सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया। रमेश पोवार ने पल्ली बार 2018 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। इसके बाद मई 2021 में उन्हें दोबारा इस पद पर नियुक्त किया गया। इसके अलावा पोवार मुंबई और गुजरात की टीमों के कोच तथा

बजाज फाइनेंस का मुनाफा दूसरी तिमाही में 29 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बजाज फाइनेंस को मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2026) में 6,367 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ हुआ जो एक साल पहले के मुकाबले 29 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने सोमवार को निदेशक मंडल की बैठक के बाद वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की। इसमें बताया गया है कि दूसरी तिमाही में कंपनी के पास प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (एयूएम) सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 5,84,624 करोड़ रुपये हो गई। तिमाही के दौरान एयूएम में शुद्ध वृद्धि 37,680 करोड़ रुपये रही।

तनिष्क ने पेश किया नया 'लाइटस्केप्स' कलेक्शन

मुंबई। भारत के अग्रणी समकालीन फाइन ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक, मिआ बाए तनिष्क ने त्योहारों के खुशनुमा माहौल की चमक को बढ़ाते हुए पेश किया है अपना नया कलेक्शन लाइटस्केप्स। यह कलेक्शन त्योहारों के दौरान घरों और उत्सवों को रोशन करने वाली खूबसूरत लाइट्स के जादू से प्रेरित है। प्लेन सोने, नेचुरल डायमंड्स और रंगबिरंगे स्टोन्स में 230 से अधिक आकर्षक डिजाइन्स का यह कलेक्शन, अनूठी कारीगरी, आधुनिक स्टाइलिंग और रोशनी की शानदार चमक का एक बेहतरीन संगम है। कलेक्शन में रंगों को बहुत ही खूबसूरती से शामिल करते हुए, मिआ लाइटस्केप्स-कलर एडि्ट में 950 सोने से तैयार 67 नए डिजाइन्स पेश किए गए हैं। मिआ बाए तनिष्क की बिजनेस हेड, सुश्री श्यामला रमणन ने कहा, अपने बढ़ते हुए स्टोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्मस के जरिए, हमारा लक्ष्य इस आधुनिक फाइन ज्वेलरी को हर किसी की पहुंच में लाना है। इसके साथ ही, हमारा उद्देश्य आधुनिक ग्राहकों के साथ मिआ के रिश्ते को और मजबूत करना तथा हर दिन पहने जाने वाले, वजन में हलके आभूषणों के बाजार में अपनी पहचान को और आगे बढ़ाना है।



चीनी एक सप्ताह में 239 रुपये महंगी हुई

नयी दिल्ली। घरेलू थोक ज़िंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी औसतन 239 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई। चीनी के साथ चावल, गेहूं, दालों और खाद्य तेलों में भी तेजी रही। त्योहारी मांग आने से चीनी में लगातार दूसरे सप्ताह तेजी रही है। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में चीनी का औसत भाव 239 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 5,386 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। गुड़ भी 24 रुपये महंगा हुआ। खुदरा बाजार में भी चीनी में 2.40 रुपये प्रति

किलोग्राम की औसत बढ़त रही। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 193 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 4,317 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं की कीमत चार रुपये बढ़कर 2,891 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। वहीं, आटा 14 रुपये सस्ता हुआ और 3,350 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 390 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। चना दाल और उड़द दाल 203-203 रुपये महंगी हुई।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतें नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अक्टूबर में अभी तक भारतीय शेयर बाजार से 52,100 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, अमेरिका में बॉन्ड पर बढ़ते यील्ड और डॉलर की मजबूती के कारण निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है और इसकी वजह से भारतीय शेयर बाजार पर दबाव बढ़ा है। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भी भारतीय शेयरों से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। इससे पहले जुलाई में उन्होंने 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 29,631 करोड़ रुपये का निवेश किया था। अक्टूबर की इस निकासी के साथ विदेशी निवेशक साल 2026 में अभी तक भारतीय शेयर बाजार से कुल मिलाकर 3.12 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं।

मस्क अमेरिका के हर बच्चे को देंगे स्पेसएक्स का शेयर

देश में 7.2 करोड़ बच्चे, बांटे जाने वाले शेयर्स का मूल्य 1 लाख करोड़

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क अगले साल अमेरिका के हर बच्चे को उनकी रॉकेट बनाने वाली कंपनी स्पेसएक्स का एक शेयर गिफ्ट करेंगे। मस्क ने 19 अक्टूबर को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका ऐलान किया। अभी स्पेसएक्स के एक शेयर की कीमत 146 डॉलर यानी करीब 14 हजार रुपए के बराबर है। अमेरिका में करीब 7.2 करोड़ बच्चे हैं। ऐसे में बांटे जाने वाले शेयर्स का मूल्य 1 लाख



करोड़ रुपए होगा। हालांकि करोड़ों बच्चों तक इसे पहुंचाने की प्रोसेस क्या रहेगी? फिलहाल मस्क या उनकी कंपनी की तरफ से इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई है। एक बड़ा सवाल यह भी है कि बच्चों के हाथ में शेयर कैसे पहुंचेंगे। क्या शेयर सीधे बच्चे के नाम पर होगा, या फिर जब तक

बच्चा बड़ा नहीं हो जाता तब तक यह माता-पिता के खाते में रहेगा? कंपनी ने यह भी नहीं बताया कि बच्चे या उनके पेरेंट्स इस शेयर को जब चाहें बेच सकेंगे या नहीं, या इसे किसी और के नाम ट्रांसफर किया जा सकेगा या नहीं।

30 जून 2026 तक की एक रेगुलेटरी फाइलिंग के मुताबिक स्पेसएक्स में मस्क की कुल हिस्सेदारी 48.4% है। रिपोर्ट के वक्त इस हिस्सेदारी को कुल वैल्यू करीब 860 बिलियन डॉलर यानी करीब 80 लाख करोड़ रुपए थी। मस्क ने अपने पोस्ट में कहा कि यह कई योजनाओं में से सिर्फ पहली योजना है। इससे साफ है कि वे आने वाले दिनों में कुछ और बड़े ऐलान कर सकते हैं।

शेयर बाजारों में चौतरफा बिकवाली

प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत से ज्यादा दूटे



मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को चौतरफा बिकवाली का दबाव देखा गया जिससे प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट में रहे। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक संसेक्स 876.37 अंक (1.17 प्रतिशत) टूटकर 73,852.90 अंक की गिरावट में बंद हुआ। यह सुबह 120 अंक की तेजी के साथ 74,849 अंक पर खुला था, लेकिन तुरंत गिरावट में चला गया। बीच कारोबार में यह 73,708.54 अंक तक उतर गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 257.20 अंक यानी 1.11 प्रतिशत नीचे 22,888.95 अंक पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों प्रमुख सूचकांक तीन सप्ताह से अधिक की उच्चतम स्तर पर रहे थे। वृहत बाजार में भी सभी सूचकांकों में गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.28 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.08 प्रतिशत उतर गया। सेक्टर आधारित सूचकांकों में सार्वजनिक बैंकों को छोड़कर अन्य सभी समूहों के सूचकांक लाल निशान में रहे। वित्त, एफएमसीजी, आईटी, निजी बैंक, रियल्टी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों के सूचकांक एक से दो प्रतिशत तक की गिरावट में रहे। एनएसई में जिन 3,664 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,717 कंपनियों के शेयरों में बिकवाली और 846 में लिवाली रही। अन्य 101 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। संसेक्स की 30 कंपनियों में से 25 के शेयर टूट गए। एक्सिस बैंक में 3.85 प्रतिशत की गिरावट रही। अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर 2.82 प्रतिशत, इंफोसिस का 2.72, बजाज फाइनेंस का 2.54, ट्रेड का 2.43, एनटीपीसी का 2.37, एचडीएफसी बैंक का 2.27 और हिंदुस्तान यूनाइलिवर का 2.16 प्रतिशत उतर गया।

सिंहस्थ-2028 के सभी निर्माण कार्य तेज गति से पूर्ण करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

घाटों की एप्रोच रोड, पेयजल, सीवरेज और श्रद्धालुओं के आवागमन की व्यवस्थाओं को दें सर्वोच्च प्राथमिकता

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में सिंहस्थ–2028 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सिंहस्थ से संबंधित सभी निर्माण कार्य तेज गति से निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। जिन कार्यों की स्वीकृति की प्रक्रिया लंबित है, उनकी स्वीकृतियां नवंबर माह में अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाएं। सिंहस्थ मेला कार्यालय, कलेक्ट्रेट और सिंहस्थ सेल में आवश्यक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पदस्थापना इसी सप्ताह सुनिश्चित की जाए। सभी संबंधित विभाग सिंहस्थ के लिए पर्याप्त मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए पृथक अमला तैनात करें, ताकि कार्यों का क्रियान्वयन समयबद्ध ढंग से हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को उज्जैन में सिंहस्थ–2028 के निर्माण कार्यों एवं तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की संभावित संख्या का आकलन करते हुए उनके आवागमन, यातायात, पार्किंग, ठहरने तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित योजना तैयार की जाए। घाटों तक पहुंचने वाले मार्गों के निर्माण और विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। पंचक्रोशी यात्रा मार्ग पर निर्धारित योजना के अनुसार डोम विकसित किए जाएं। साथ ही, पड़ोसी राज्यों के



अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित कर श्रद्धालुओं के आवागमन एवं व्यवस्थाओं की अग्रिम कार्ययोजना तैयार की जाए।

श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए अभी से करें व्यापक तैयारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए। इसके लिए आसपास के स्कूलों एवं कॉलेजों को चिन्हित कर वहां आवश्यकतानुसार शौचालय निर्माण, पेयजल की उपलब्धता, मरम्मत तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास की योजना बनाई जाए। उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मार्गों पर स्थित सांदीपनि विद्यालयों के उपयोग की भी योजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर के आंतरिक क्षेत्रों तथा मेला क्षेत्र में पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता और सीवरेंज संबंधी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग के लिए पर्यटन विभाग एवं पुलिस विभाग संयुक्त रूप से कार्ययोजना तैयार करें। घट्टिया, तराना तथा आसपास के उन क्षेत्रों में, जहां से सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं का आवागमन होगा, टेंट सिटी एवं होलडिंग एरिया विकसित करने की संभावनाओं पर भी कार्य किया जाए।

सड़क विकास के साथ स्थानीय व्यापारियों के हितों का ध्यान रखें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ–2028 के निर्माण कार्यों के लिए उज्जैन में सकारात्मक वातावरण है और नागरिकों का सहयोग भी मिल रहा है। प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि विकास कार्यों के दौरान आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो। सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित होने वाले व्यापारियों के रोजगार एवं व्यवसाय को पुनः स्थापित करने के लिए प्रभावी योजना बनाई जाए, ताकि उन्हें नए और उपयुक्त व्यावसायिक स्थल उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर के मार्गों का जितना बेहतर विकास होगा, व्यापारिक गतिविधियों को भी उतना ही प्रोत्साहन मिलेगा। हालांकि, सड़क चौड़ीकरण के कारण प्रभावित होने वाले बाजारों और दुकानदारों के हितों का ध्यान रखना भी आवश्यक है। इसके लिए वैकल्पिक बाजारों के स्थलों का चयन कर उनका व्यवस्थित विकास किया जाए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बर्तन बाजार तथा सोना–चांदी के व्यापारियों के पुनर्वास के लिए योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने नजर अली मिल क्षेत्र, शस्त्रीय कारखाना क्षेत्र अथवा आसपास के उपयुक्त स्थानों पर विक्रम क्लॉथ मार्केट की तर्ज पर नया बाजार विकसित करने की

संभावनाओं पर कार्य करने को कहा। जिन दुकानदारों की दुकानें निर्माण कार्यों के कारण प्रभावित हुई हैं और जिनके पास कोई वैकल्पिक स्थान उपलब्ध नहीं है, उन्हें भी किसी उपयुक्त बाजार में समायोजित करने की कार्ययोजना तैयार की जाए।

20 हजार करोड़ से 175 निर्माण कार्य बैठक में बताया गया कि सिंहस्थ से संबंधित वर्तमान में कुल 175 निर्माण कार्य प्रगतिरत हैं, जिनकी कुल लागत लगभग 20 हजार करोड़ रुपये हैं। इन कार्यों को पूर्ण करने के लिए चरणबद्ध समय–सीमा निर्धारित की गई है। निर्धारित समय–सारणी के अनुसार दिसंबर 2026 तक 51 कार्य, जनवरी से मार्च 2027 तक 36 कार्य, अप्रैल से जून 2027 तक 61 कार्य तथा जुलाई से अक्टूबर 2027 तक 23 निर्माण कार्य पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि मेला क्षेत्र में स्थायी निर्माण कार्यों के टेंडर जारी किए जा चुके हैं तथा कार्य निर्धारित समय–सीमा के अनुसार संचालित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य पूर्ण होने के साथ ही उन्हें आमजन के उपयोग के लिए खोला जाए, जिससे नागरिकों को विकास कार्यों का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि सिंहस्थ–2028 की तैयारियों में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए तथा निर्धारित समय–सीमा के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित की जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा, शहर के विकास, यातायात प्रबंधन, आधारभूत सुविधाओं और स्थानीय व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण की जाएं।

सिंधी कैंप में माता रानी के भक्तों का लगा मेला



दमोह (स्वतंत्र मत) । सिंधी कैंप स्थित झूलैलाल प्रांगण में सिंधी मित्र मिलन दुर्गा उत्सव समिति द्वारा लगातार 27 वर्षों से शारदीय नवरात्र में माता के पंडाल सजाने की परंपरा का निर्वहन किया जा रहा है। पंडाल में माँ दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है, जहां 9 दिनों तक माता रानी की विशेष पूजा–अर्चना होती है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन कर पुण्य लाभ ले रहे हैं। प्रतिदिन सुबह–शाम माता रानी की आरती होती है जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। सिंधु महोत्सव गरबा समिति द्वारा पंचमी, षष्ठी एवं सप्तमी को नवरात्रि के अवसर पर रात्रि 9:30 बजे से 11:30 बजे तक गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में मातृ शक्तियों ने गरबा के माध्यम से माँ दुर्गा की आराधना की। तीन दिनों तक नौ थीम नौ रंग की अवधारणा पर आधारित इस महोत्सव में हर दिन पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का नया रंग देखने को मिला। दीपों की रोशनी और गरबा की थाप पर आयोजित कार्यक्रम में महिलाएं एवं बालिकाएं लाल, काले, सफेद लहंगे में पारंपरिक गरबा नृत्य प्रस्तुत कर माँ की आराधना करती नजर आईं। पंचमी एवं अष्टमी की महाआरती का विशेष आयोजन समिति द्वारा किया गया जिसमें बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे। अष्टमी पर आरती के पश्चात माता रानी को छप्पन भोग लगाया गया।

कैट की दमोह जिला इकाई जिला प्रभारी, जिलाध्यक्ष और जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त

दमोह (स्वतंत्र मत) । कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेड्सर्स की दमोह जिला इकाई में संगठनात्मक नियुक्तियां की गई हैं। संगठन के पदाधिकारियों की सहमति से राकेश अग्रवाल को जिला प्रभारीए प्रमोद बजाज को जिला अध्यक्ष तथा पदम इटोरिया को जिला कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इन नियुक्तियों में कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिवा, राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल, मध्यप्रदेश प्रभारी संजय पटवारी, मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन, प्रदेश महामंत्री योगी खंडेलवाल, संभाग प्रभारी जितेंद्र पचौरी,संभाग अध्यक्ष निकेश गुप्ता एवं गोविंदरदास असाठी की सहमति रही। जिला महामंत्री जुगल अग्रवाल ने बताया कि कैट के सिद्धांतों के अनुरूप व्यापारियों के हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान तथा व्यापारिक समुदाय को मजबूत बनाने के लिए संगठन सक्रिय रूप से कार्य करेगा। नवनिर्गुप्त पदाधिकारी शीघ्र ही जिले की कार्यकारिणी का गठन एवं मनोनयन करेंगे।

मां की आराधना के लिए माता का जगराता ही सर्वोपरि : धर्मेन्द्र सिंह लोधी

दमोह (स्वतंत्र मत) ।

शिवनगर दमोह में विराजमान माता की आराधना हेतु शिव मंदिर कमेटी द्वारा जगराता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यटन संस्कृति एवं धर्मव्य राज्यमंत्री धर्मेद्र सिंह लोधी द्वारा माता की चौकी जगराता में शामिल होकर मां भगवती की आराधना पूजा अर्चन किया गया। कार्यक्रम राज्यमंत्री द्वारा माता ने बुलाया है, चलो बुलावा आया है, सुंदर भक्तिमय भजन पर मंच से अपना भक्ति भाव सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। सभी भक्तों ने ताली बजाकर राज्यमंत्री के साथ भक्तिभाव में डूबकर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसकी सभी लोगों ने ताली बजाकर स्वागत किया। राज्यमंत्री धर्मेद्र सिंह लोधी ने अपनी भाव रखते हुए मां जगत जननी के चरणों में संपूर्ण भारतवासी सभी प्रांत के निवासियों किस सुखमय जीवन हेतु मां के चरणों में प्रार्थना की गई। उन्होंने कहा कि माता की आराधना का सबसे अच्छा साधन



माता के लिए जगराता ही है माता के लिए जानना हमारे जीवन में सुख समृद्धि आनंद एवं धन दौलत का वातावरण निर्मित करता है। उन्होंने सभी आयोजन कमेटी की के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती वर्षा रैकवार भारत विकास परिषद के अध्यक्ष किरण रवि गोस्वामी संगीता श्रीधर पत्रकार नरेंद्र दुबे वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. डीएम संगतानी अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष महेंद्र पांडे पूर्व अध्यक्ष

कमलेश भारद्वाज वेश्य समाज के संभागीय अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, पत्रकार संजय सरवरिया राजेंद्र अटल, संजय मौर्य विनय असाठी एवं शहर के गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। देवी जागरण माता की चौकी संस्कार वेली जबलपुर के प्रस्तुति गायक सर्येंद्र असाठी गायिका जसप्रीत कौर द्वारा भजनों की प्रस्तुति के साथ विभिन्न स्वरूपों शेरों पर सवार माता, श्रीकृष्ण राधा, हनुमान, खादू श्याम एवं प्रमुख प्रस्तुति शंकर पार्वती शिव तांडव करते हुए भोलेनाथ



बाबा व कालरात्रि मां के स्वरूपों की प्रस्तुति ने शहर वासियों का मन मोह लिया। दमोह शहर की सुरेका कॉलोनी स्थित दुर्गा माता मंदिर में देखने को मिल रहा है। यहां पिछले पांच वर्षों से गरबा महोत्सव सहित धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों की पूरी कमान मातृशक्ति ने संभाल रखी है। महिलाओं की इस पहल ने न केवल धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाया है बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की दिशा में भी एक

सराहनीय प्रयास किया है। सुरेका कॉलोनी स्थित दुर्गा माता मंदिर में पांच वर्ष पूर्व महिलाओं द्वारा देवी मां की प्रतिमा की झांकी स्थापित कर धार्मिक आयोजन की शुरुआत की गई थी। देखते ही देखते यह पहल एक परंपरा का रूप ले चुकी है। इस वर्ष आयोजन के पांच वर्ष पूर्ण होने पर उत्साह और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है। नवरात्रि के दौरान गरबा महोत्सव के माध्यम से महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में माता रानी की आराधना करते हुए गरबा करती हैं।



लड़ई बमोरी में पहली बार हुआ गरबा महोत्सव

बच्चों ने मंच पर दिखाई प्रतिभा

दमोह (स्वतंत्र मत) । लड़ई बमोरी गांव में पहली बार गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने गरबा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मां दुर्गा के जयकारों से आयोजन स्थल भक्तिमय हो गया। गांव में पहली बार हुए इस आयोजन को लेकर ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में दुर्ग सिंह लोधी, रामकरन छतवार, वृंदावन बननेवार, मुकेश लोधी, द्वारका लोधी, अजय चनपुरिया, स्वामी शर्मा, विशाल पटवारी, सुंरेंद्र पटवारी, दिलीप लोधी रेलवे, बनवारी पटेल और किशोरी पटेल मौजूद रहे। अतिथियों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए आयोजन को ग्रामीण प्रतिभाओं के

लिए महत्वपूर्ण पहल बताया।

स्वामी शर्मा ने कहा कि संध्या की पहल पर गांव में पहली बार इस तरह का आयोजन हुआ है जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। वहीं दुर्ग सिंह लोधी ने कहा कि बच्चों में प्रतिभा पहले से थी लेकिन उन्हें मंच देने की जरूरत थी। संध्या जैन और साधना ने बच्चों को मंच उपलब्ध कराकर सराहनीय काम किया है। उन्होंने कहा कि आज गांव में अपनी कला दिखाने वाले बच्चे भविष्य में शहरों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। कार्यक्रम में रेवती, यशवंत, कृष्ण, वैष्णवी सहित महेश लोधी, नैसी, नमन लोधी, गजेंद्र लोधी, राशि रैकवार, सुहानी लोधी, खुशबू नामदेव और सलोनी लोधी ने भाग लिया।

पथरिया (स्वतंत्र मत) । थाना क्षेत्र के सेमरा बुजुर्ग गांव के समीप रविवार शाम पुराने खूनी विवाद में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि कार सवार लोगों ने पहले बाइक को टक्कर मारकर युवक को गिराया फिर धारदार हथियारों से हमला किया और इसके बाद उस पर कई बार कार चढ़ा दी। घटना के दौरान पीछे आ रहे मृतक के भाई पर भी हमला करने की कोशिश की गईए लेकिन उसने भागकर अपनी जान बचाई। गंभीर रूप से घायल युवक को 108 एंबुलेंस की मदद से पथरिया स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गयाए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

आरती की और मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया। महाआरती के अवसर पर क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ पूजा–अर्चना की। आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रही और पूरा परिसर धार्मिक उत्साह से सराबोर नजर



अपनी पत्नी के साथ बाइक से आगे चल रहे थे जबकि अनिल यादव पीछे आ रहा था। इसी दौरान पथरिया थाना क्षेत्र के सेमरा बुजुर्ग गांव के समीप कथित तौर पर आरोपियों ने परम की बाइक को कार से टक्कर मार दी जिससे वह सड़क पर गिर पड़े। अनिल यादव के मुताबिकए बाइक से गिरने के बाद आरोपियों ने परम पर धारदार हथियारों से हमला किया और फिर

पुराने खूनी विवाद में फिर बहा खून



उसके ऊपर दो से तीन बार कार चढ़ा दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अनिल का आरोप है कि घटना के दौरान आरोपियों ने उस पर भी हमला करने की कोशिश की लेकिन वह किसी तरह मौके से भाग निकला। इसके बाद उसने 108 एंबुलेंस की मदद से अपने भाई को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आया। कार्यक्रम में भाजपा नेता संतोष दुबे, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल, पूर्व मंडी अध्यक्ष खरगराम पटेल, जिला महामंत्री महेश पटेल, मंडल अध्यक्ष रमेश कुशवाहा, कांग्रेस नेता बृजेन्द्र राव, नरेंद्र सराफ, वीरेंद्र दुबे, देवेंद्र बाकड़ा, निलेश दुबे, कपिल दुबे, पंकज दुबे,

पुसनी हत्या की रंजिश को बताया वासदात की वजह

मृतक के भाई अनिल यादव ने आरोप लगाया कि इस वासदात के पीछे दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से चली आ रही हत्या की रंजिश है। कुछ वर्ष पहले उनके परिवार से जुड़े एक युवक की हत्या हुई थी। अनिल का दावा है कि उसी विवाद के चलते दूसरे पक्ष के लोगों ने उनके परिवार के दो लोगों की हत्या करने की बात कही थी। इस घटना में पिम्पू यादव, छोटू यादव, नरेंद्र यादव, बाबूलाल यादव, वीरेंद्र यादव और नीरज यादव के शामिल होने का आरोप लगाया है।आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और घटना में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका की पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील अधीनताल, जबलपुर
रा.प्र.क्र./दिनांक/ अ-6/ 2026-27
जबलपुर, दिनांक- 3/9/2026
// आम इशतहार//
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री चन्द्रशेखर सेन पिता/ पति स्व. श्री बाबूलाल सेन निवासी- 461, सुहागी कीजानासेन माता मंदिर के पीछे, जबलपुर के द्वारा मौज सुहागी, ब्लॉक नंबर.....पोस्ट नंबर..... स्थित भूमि खसरा नंबर 20 नया 20/2 0.0650 में से रुक्या 2370 वर्गफुट भूमि को आवेदक के द्वारा विक्रेता श्री नारायण मिश्रा पिता श्री राम सहाय मिश्रा से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 8/01/1993 से क्रय किया जान लेख किया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दबा या आपत्ति हो तो निम्न पेची दिनांक 18/09/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के परचात् प्रस्तुत दावा/ आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व हेर हेस्ताक्षर से जारी किया गया।
पेची दिनांक 27/10/2026
अतिरिक्त तहसीलालदार अधीनताल, जबलपुर
मुहर

